राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार,08अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -193 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

इतालवी मरीनों के हाथों जान गंवाने वाले मछुआरों के परिवारों को मिले पर्याप्त मुआवजा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केन्द्र को स्पष्ट कर दिया कि फरवरी, 2012 में केरल तट से दूर दो भारतीय मछुआरों को गोली मारने के आरोपी दो इतालवी नाविकों के मामले को बंद करने की उसकी अर्जी पर पीड़ित परिवारों का पक्ष सुने बगैर कोई आदेश नहीं दिया जाएगा जिन्हें समुचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से केन्द्र की अर्जी पर सुनवाई के दौरान सालिसीटर जनरल तुषार मेहता को यह स्पष्ट किया। पीठ ने केन्द्र को इस घटना में मारे गए मछुआरों के परिवार के सदस्यों को पक्षकार बनाते हुए इतालवी नाविकों का मामला बंद करने के लिए आवेदन दायर करने की अनुमति दी। पीठ ने केन्द्र को मामला बंद करने के लिए नए आवेदन में पीड़ितों के परिवारों को पक्षकार बनाते हुए एक सप्ताह के भीतर इसे दायर करने की अनुमति दे दी। मेहता ने पीठ को सूचित किया कि इटली सरकार ने भारत सरकार को यह आश्वासन दिया है कि वह इन नाविकों पर मुकदमा चलाएगी। इस घटना का शिकार हुए मछुआरों के परिवारों को समुचित मुआवजा दिए जाने पर जब पीठ ने जोर दिया तो मेहता ने कहा कि केन्द्र यह सुनिश्चित करेगा की पीड़ित परिवारों को अधिकतम मुआवजा दिया जाए। इस मामले की सुनवाई शुरू होते ही पीठ ने इन नाविकों पर मुकदमा चलाने के लिए उठाए गए इटली के कदमों की सराहना की लेकिन न्यायालय ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के लिए समुचित मुआवजे के विषय पर बात कर रही है जो पीड़ित परिवारों को दिया जाना चाहिएं पीठ ने कहा, ''हम चाहते हैं कि पीड़ित परिवार को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। शीर्ष अदालत ने विशेष अदालत में इतालवी नाविकों का मामला लंबित होने का जिक्र किया और सवाल किया कि वहां मुकदमा वापस लेने के लिए आवेदन के बगैर केन्द्र कैसे मामला बंद कराने के लिए यहां आ सकता है। मेहता ने जवाब दिया कि शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि विशेष अदालत की कार्यवाही विलंबित रखी जाए। पीठ ने कहा, ''आप वहां मुकदमा वापस लेने का आवेदन कर सकते हैं। पीड़ित परिवारों को इसका विरोध करने का अधिकार है। पीड़ितों के परिवार यहां पक्षकार भी नहीं हैं। हम पीड़ित परिवारों को सुने बगैर कोई आदेश पारित नहीं करेंगे। केन्द्र ने तीन जुलाई को शीर्ष अदालत में इतालवी नाविकों के खिलाफ चल रही कार्यवाही बंद करने के लिए एक आवेदन दायर किया था। केन्द्र ने कहा था कि उसने हेग स्थित पंचाट की स्थाई अदालत का 21 मई, 2020 का फैसला स्वीकार कर लिया है कि भारत इस मामले में मुआवजा पाने का हकदार है लेकिन नाविकों को प्राप्त छूट की वजह से वह इन पर मुकदमा नहीं चला सकता। भारत ने इटली के तेल टैंकर एमवी एनरिका लेक्सी पर तैनात दो इतालवी नाविकों - सल्वाटोरे गिरोने और मैस्सीमिलियानो लटोरे- पर भारत के आर्थिक क्षेत्र में 15 फरवरी 2012 को मछली पकड़ने वाली नौका में सवार दो भारतीय मछुआरों की गोली मार कर हत्या करने का आरोप लगाया था। इन इतावली नाविकों के खिलाफ मछली पकड़ने वाली नौका 'सेंट एंटनी के मालिक फ्रेडी ने शिकायत दर्ज करायी थी कि इन नाविकों द्वारा गोली चलाए जाने के कारण केरल के दो मछुआरों की मौत हो गई है।

कोरोना वायरस: सीरम इंस्टीट्यूट भारत समेत अन्य देशों के लिए बनाएगा 10 करोड़ टीके

नई दिल्ली। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारत तथा अन्य कम व मध्यम आय वाले देशों के लिए कोविड-19 टीके की 10 करोड़ खुराक का उत्पादन करने को लेकर गावि और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ गठजोड़ किया है। सीरम इंस्टीट्यूट ने एक बयान में कहा, ''यह गठजोड़ सीरम इंस्टीट्यूट को विनिर्माण क्षमता बढ़ाने में मदद करने के लिए अग्रिम पूंजी प्रदान करेगा, ताकि एक बार किसी टीका या टीके को नियामकीय मंजूरियों तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्वीकृति मिल जाने के बाद गावि कोवैक्स एएमसी के तहत 2021 की पहली छमाही तक भारत व अन्य कम-मध्यम आय वाले देशों में वितरण के लिए पर्याप्त खुराक का उत्पादन किया जा सके। कंपनी ने बताया कि उसने प्रति खुराक तीन डॉलर यानी करीब 225 रुपए की किफायती दर निर्धारित की है। यह वित्तपोषण एस्ट्राजेनेका और नोवावैक्स के संभावित टीकों के विनिर्माण में भी समर्थन प्रदान करेगा। इन दो कंपनियों के टीके अभी परीक्षण से गुजर रहे हैं। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन अपने निवेश कोष के माध्यम से गावि को 15 करोड़ डॉलर का जोखिम-रहित धन मुहैया कराएगा, जिसका उपयोग संभावित टीकों के विनिर्माण में सीरम इंस्टीट्यूट का समर्थन करने और भविष्य में कम व मध्यम आय वाले देशों के लिए टीके की खरीद में किया जाएगा। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने कहा, ''कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई को मजबूत बनाने की कोशिश में सीरम इंस्टीट्यूट ने भारत और निम्न व मध्यम आय वाले देशों के लिए कोविड-19 के टीकों की 10 करोड़ खुराक तैयार करने को गावि भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव रेणु स्वरूप ने कहा, ''हम सीरम इंस्टीट्यूट की कोविड-19 द्वारा प्रस्तुत वैश्विक स्वास्थ्य संकट का जवाब देने के लिए ।

भारत में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 20 लाख पार, राहुल गांधी का ट्वीट- गायब है मोदी सरकार

नेशनल डेस्क। देश में कोरोना वायरस का कहर और भयानक होता जा रहा है। देश में एक दिन में 50 हजार से ज्यादा केस सामने आ रहे हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच भारत में के कुल मामलों की संख्या 20 लाख को पार कर गई है। वहीं कोरोना संक्रमितों की संख्या 20 लाख पार करने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार सुबह केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि 20 लाख का आंकड़ा पार, गायब है मोदी सरकार। बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी ने 17 जुलाई को एक ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि अगर इसी रफ्तार से कोरोना फैला तो 10 अगस्त तक 20 लाख से अधिक लोग संक्रमित होंगे, इस मसले पर सरकार को ठोस और नियोजित कदम उठाने चाहिए। राहुल ने जब यह ट्वीट किया था तब देश में 10 लाख कोरोना केस का आंकड़ा पार हुआ था। अब राहुल गांधी की बात सही साबित हुई। देश में अब तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 2027074 तक पहुंच चुकी है जबकि 41585 मरीजों की मौत हो चुकी है। अब राहुल गांधी की बात सही साबित हुई। देश में अब तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 2027074 तक पहुंच चुकी है जबकि 41585 मरीजों की मौत हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

चीन विवाद: डॉक्यूमेंट हटाने को बताया डिलीट कांड, राजनाथ आवास पर यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस की युवा इकाई ने पूर्वी लद्दाख में 'चीनी घुसपैठ के उल्लेख वाले दस्तावेज को रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट से हटाए जाने के खिलाफ शक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। भारतीय युवा कांग्रेस के प्रवक्ता राहुल राव के अनुसार, रक्षा मंत्रालय के इस ''डिलीट कांड के खिलाफ युवा कांग्रेस दिल्ली के प्रभारी हरीश पवार जी के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ताओं ने अकबर रोड स्थित रक्षा मंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। राव ने बताया कि पुलिस ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, हालांकि कुछ देर बाद उन्हें छोड़ दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह डिलीट कांड नागरिकों के मूल अधिकारों पर हमला है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां जनता को सूचनाएं प्राप्त करने का मौलिक अधिकार प्राप्त है लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार जनता से सच छुपा रही है। हरीश पवार ने दावा किया, '' राष्ट्रवाद की चाशनी में सरकार देश को गुमराह कर रही है। ये दस्तावेज हटाने से सच्चाई नहीं बदलेगी। गौरतलब है कि रक्षा मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड उस दस्तावेज को बृहस्पतिवार को हटा लिया जिस पर आधारित एक खबर अखबार में प्रकाशित हुई। खबर के मुताबिक, जून महीने की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी सैनिकों की 'एकतरफा आक्रामकता से पैदा हुए हालात संवेदनशील बने हुए हैं तथा यह गतिरोध लंबा चल सकता है।

सुशांत की मौत की गुत्थी सुलझाएगी बिहार की बेटी! मिला हर राज से पर्दा उठाने का जिम्मा

नेशनल डेस्क। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मामले में फिर से प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने बिहार पुलिस से जांच अपने हाथ में ले ली है। अब इस मामले की जांच तेजतर्रार मानी जाने वाली डीआईजी गगनदीप गंभीर करेंगी और उनका साथ देंगे संयुक्त निदेशक मनोज शशिधर। 2004 कैडर की गगनदीप बिहार की ही रहने वाली है, ऐसे में सुशांत के फैंस के बीच नयाय की उम्मीद बढ़ गई है। मुजफ्फरपुर की गगनदीप ने शुरूआती पढ़ाई होमटाउन से और उच्च शिक्षा पंजाब यूनिवर्सिटी से की है। उन्होंने यूपी में अवैध खनन घोटाला और बिहार के सृजन घोटाले जैसे बड़े मामलों की जांच में अहम भूमिका निभाई है। जानकारों की मानें तो गुजरात के कई जिलो में वरिष्ठ पदों पर रह चुकी गगनदीप गंभीर को बड़े मामलों के हैंडल करने का अच्छा अनुभव है। अब बिहार के बेटे की मौत की गुत्थी सुलझाने का जिम्मा उनको मिला है। सूत्रों ने बताया कि रोजाना आधार पर एजेंसी में शीर्ष स्तर पर मामले की निगरानी होगी। पटना पुलिस ने भादसं की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी, जो कथित आपराधिक षड्यंत्र, ठगी और आत्महत्या के लिए उकसाने से जुड़ी हुई थी। बिहार सरकार की अनुशंसा पर इसे सीबीआई को सौंपा गया है जिसे केंद्र सरकार ने एजेंसी के पास भेजा है।

मोदी की शिक्षा नीति

छात्रों को पीएम मोदी का मंत्र, कहा- अब How to think पर करो फोकस

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ''उच्च शिक्षा में रूपांतरकारी सुधारों पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि जितनी ज्यादा जानकारी स्पष्ट होगी फिर उतना ही आसान इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति का ढ्ढद्वश्चद्यद्गद्वद्गठ्ठह्लड्डह्लद्बश्ठ्ठ भी होगा। 3-4 साल के व्यापक विचार-विमर्श के बाद, लाखों सुझावों पर लंबे मंथन के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्वीकृत किया गया है आज देशभर में इसकी व्यापक चर्चा हो रही है। अलग-अलग क्षेत्र के लोग, अलग-अलग विचारधाराओं के लोग, अपने 1द्बद्ग2ह्य दे रहे हैं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कर रहे हैं। ये एक है, ये जितनी ज्यादा होगी, उतना ही लाभ देश की शिक्षा व्यवस्था को मिलेगा। ये भी खुशी की बात है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद देश के किसी भी क्षेत्र से, किसी भी वर्ग से ये बात नहीं उठी कि इसमें किसी तरह का है, या किसी एक ओर झुकी हुई है। कुछ लोगों के मन में ये सवाल आना स्वभाविक है कि इतना बड़ा ऋद्गद्बश्रह्म कागजों पर तो कर दिया गया, लेकिन इसे जमीन पर कैसे उतारा जाएगा। यानि अब सबकी निगाहें इसके की तरफ है। आप सभी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के से सीधे तौर पर जुड़े हैं और इसलिए आपकी भूमिका बहुत ज्यादा अहम है। हर देश, अपनी शिक्षा व्यवस्था को अपनी के साथ जोड़ते हुए, अपने के अनुसार ऋद्गद्बश्रह्म करते हुए चलता है। हर देश, अपनी शिक्षा व्यवस्था को अपनी नेशनल वैल्यूज़ के साथ जोड़ते हुए, अपने नेशनल गोल्स के अनुसार रिफॉर्म करते हुए चलता है। मकसद ये होता है कि देश की शिक्षा व्यवस्था, अपनी वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को फ्यूचर रेडी रखे, फ्यूचर रेडी करे। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस सप्ताह की शुरुआत में नई शिक्षा नीति-2020 की घोषणा कर देश की 34 साल पुरानी, 1986 में बनी शिक्षा नीति को बदल दिया। नई नीति का लक्ष्य भारत के स्कूलों और उच्च शिक्षा प्रणाली में इस तरह के सुधार करना है कि देश दुनिया में ज्ञान की 'सुपरपॉवर कहलाए। शिक्षा नीति के तहत पांचवीं कक्षा तक के बच्चों की पढ़ाई उनकी मातृ भाषा या क्षेत्रीय भाषा में होगी, बोर्ड परीक्षाओं के महत्व को इसमें कुछ कम किया गया है।

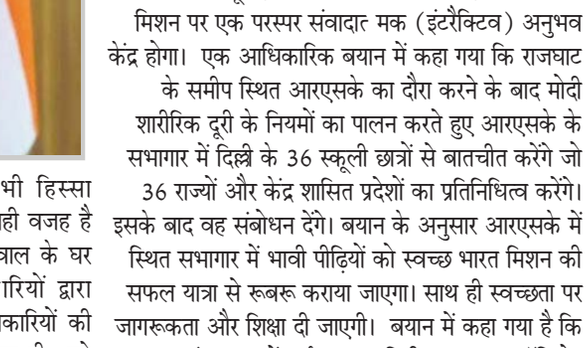

विधि और मेडिकल कॉलेजों के अलावा अन्य सभी विषयों की उच्च शिक्षा के एक एकल नियामक का प्रावधान है, साथ ही विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए समान प्रवेश परीक्षा की बात कही गई है। पुरानी नीति के 10+2 (दसवीं कक्षा तक, फिर बारहवीं कक्षा तक) के ढांचे में बदलाव करते हुए नई नीति में 5+3+3+4 का ढांचा लागू किया गया है। इसके लिए आयु सीमा क्रमश- 3-8 साल, 8-11 साल, 11-14 साल और 14-18 साल तय की गई है। एम.फिल खत्म कर दिया गया है और निजी तथा सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए समान नियम बनाए गए हैं।

डीयू कॉलेजों ने नहीं दिया वेतन, सिसोंदिया बोले- यह भ्रष्टाचार का इशारा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सरकार की ओर से 70 बजट में वृद्धि करने के बावजूद अपने कर्मचारियों को वेतन देने में असमर्थता व्यक्त करने पर दिल्ली सरकार के वित्त पोषित दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेजों को लेकर कड़ा ऐतराज जताया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 5 सालों में बजट आवंटन में 70 की वृद्धि के बावजूद दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित डीयू कॉलेजों के वेतन देने में असमर्थता भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है। सिसोदिया ने कहा कि डीयू कॉलेजों के प्रशासन पर भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं। भ्रष्टाचार के कारण यह कॉलेज गवर्निंग बॉडी बनाने में देर कर रहे हैं और दिल्ली सरकार के मनोनीत सदस्यों को लेने से इंकार कर रहे हैं। उन्होंने पिछले महीने डीयू के कुलपति को इन भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में लिखा था, लेकिन उन्हें अभी तक कोई जवाब नहीं मिला। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने 2014-15 में डीयू के कॉलेज के बजट को 144. 39 करोड़ से बढ़ाकर 2019-20 में 242. 64 करोड़ और 2020-21 में 243 करोड़ तक कर दिया। 5 वर्षों में बजट आवंटन में लगभग 70त्न वृद्धि के बावजूद डीयू बजट की कमी की शिकायत कर रहा है । उन्होंने कहा कि डीयू का पिछले साल का 242. 64 करोड़ का बजट उनके खर्च पूरे करने के लिए पर्याप्त था।

पिछले साल 2018-19 का बजट 216. 13 करोड रुपए खर्च को पूरा करने के लिए पर्याप्त था। पिछले 2 वर्षों में 27 करोड़ रुपये के बजट आवंटन में वृद्धि के बावजूद डीयू क्यों कह रहा है कि बजट नहीं है। उन्होंने कहा कि 2020-21 के लिए 256. 25 करोड रुपए के बजट में से 56.25 करोड़ रुपये यानी पूरे बजट का 23पहले ही जुलाई 2020 के अंत तक जारी किया जा चुका है। पहले ही जुलाई 2020 के अंत तक जारी किया जा चुका है।

केजरीवाल के घर की छत गिरी, बाल-बाल बचे दिल्ली मुख्यमंत्री

नेशनल डेस्क। दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गए। दरअसल सिविल लाइन्स में उनके घर की छत का एक हिस्सा भारी बारिश के चलते गिर गया। गनीमत यह रही कि इस दौरान किसी को चोट नहीं लगी। इस घटना के बाद अब 80 साल पुरानी इस बिल्डिंग का रिव्यू शुरू हो गया है। एक सरकारी सूत्र के मुताबिक अब तक सीएम का चैंबर वॉर रूम जैसा था, जहां पर अहम बैठकें होती थीं। ये सौभाग्य की बात है कि घटना के दौरान चैंबर में कोई भी मौजूद नहीं था, जहां अक्सर कुछ न कुछ होता ही रहता है। जो छत गिरी है वह चैंबर केजरीवाल का पर्सनल चैंबर था। बताया जा रहा कि जिस घर में अभी मुख्यमंत्री रह रहे हैं, उसे 1942 मे बनवाया गया था और इस बिल्डिंग के किसी न किसी हिस्से में पूरे साल ही मरम्मत का काम चलता रहता है। पिछले तीन हफ्तों में दिल्ली में भारी बारिश हुई है। ऐसे में माना जा रहा है कि बिल्डिंग का और भी हिस्सा प्रभावित हुआ होगा। यही वजह है कि अब पहले केजरीवाल के घर का क्कङ्खष्ठ के अधिकारियों द्वारा रिव्यू हो रहा है। अधिकारियों की असेसमेंट रिपोर्ट के बाद ही आगे के बारे में विचार किया जाएगा।

शशि थरूर ने साधा प्रधानमंत्री पर निशाना, कहा- 8 करोड़ लोगों को भूले मोदी...यह चिंता की बात

नेशनल डेस्क। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि राम मंदिर भूमि पूजन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 130 करोड़ भारतीयों का जिक्र किया जबकि भारत की जनसंख्या 138 करोड़ से अधिक है और संशोधित नागरिकता कानून तथा राष्ट्रीय नागरिक पंजी के बाद आठ करोड़ लोगों को भूलना चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि अगर चूक अनजाने में हुई तो सुधार करने से आश्वासन मिलेगा।थरूर ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, राम मंदिर के बारे में बात करते हुए कल प्रधानमंत्री मोदी ने 130 करोड़ भारतीयों को बधाई दी। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े के अनुसार 2020 के मध्य तक भारत की अनुमानित आबादी 1,38,00,04,385 है। उन्होंने कहा, सीएए/एनआरसी के बाद आठ करोड़ लोगों को भूल जाना चिंता का विषय है। अगर यह अनजाने में हुआ है तो सुधार करने से आश्वासन मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास करते हुए कहा था कि कई पीढियों ने दशकों तक राम मंदिर निर्माण के लिए संघर्ष किया।

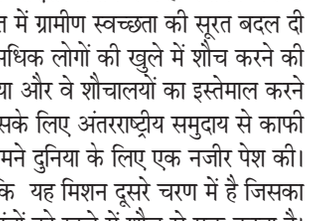

महात्मा गांधी को समर्पित राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का कल उद्घाटन करेंगे मोदी

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 'राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का उद्घाटन करेंगे। महात्मा गांधी को समर्पित राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र (आरएसके) की प्रधानमंत्री ने सबसे पहले घोषणा 10 अप्रैल 2017 को गांधीजी के चम्पारण 'सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे होने के मौके पर की थी। यह स्वच्छ भारत मिशन पर एक परस्पर संवादात मक (इंटरैक्टिव) अनुभव केंद्र होगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राजघाट के समीप स्थित आरएसके का दौरा करने के बाद मोदी शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए आरएसके के सभागार में दिल्ली के 36 स्कूली छात्रों से बातचीत करेंगे जो 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके बाद वह संबोधन देंगे। बयान के अनुसार आरएसके में स्थित सभागार में भावी पीढ़ियों को स्वच्छ भारत मिशन की सफल यात्रा से रूबरू कराया जाएगा। साथ ही स्वच्छता पर जागरूकता और शिक्षा दी जाएगी। बयान में कहा गया है कि सभागार नंबर एक में दर्शक 360 डिग्री का अनूठा ऑडियो-विजुअल कार्यक्रम देखेंगे, जिसमें भारत की स्वच्छता की कहानी यानी दुनिया के इतिहास में लोगों की आदतों में बदलाव लाने वाले सबसे बड़े अभियान की यात्रा दिखाई जाएगी। सभागार नंबर दो में विभिन्न माध्यमों से स्वच्छ भारत के गांधी के सपने को हासिल करने के लिए किए गए कार्यों की कहानी बयां की जाएगी। बयान में कहा गया कि स्वच्छ भारत मिशन ने भारत में ग्रामीण स्वच्छता की सूरत बदल दी और 55 करोड़ से अधिक लोगों की खुले में शौच करने की आदत को बदल दिया और वे शौचालयों का इस्तेमाल करने लगे। भारत को इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से काफी सराहना मिली और हमने दुनिया के लिए एक नजीर पेश की। इसमें कहा गया है कि यह मिशन दूसरे चरण में है जिसका उद्देश्य भारत के गांवों को खुले में शौच से मुक्त करना है। यह मिशन दूसरे चरण में है जिसका उद्देश्य भारत के गांवों को खुले में शौच से मुक्त करना है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आग से सबक

अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में आग का लगना जितना शर्मनाक है, उससे कहीं अधिक दुखद है वहां कोविड-19 के मरीजों की मौत। आग अस्पताल के सामान्य वार्ड में नहीं, बल्कि आईसीयू में लगी। आग दिन में नहीं, बल्कि रात तीन बजे लगी, जब ज्यादातर मरीज नींद में थे। यह अत्यंत हृदय विदारक घटना है, करीब 35 मरीजों को बचा लिया गया, पर आठ मरीज ऐसे थे, जो भागने या बचाए जाने की स्थिति में नहीं थे। आग की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, लेकिन वह इतनी तेज थी कि उसने लोगों को बचाव का ज्यादा मौका नहीं दिया। मुआवजे की घोषणा हो गई है, पर जीवन और कोविड अस्पतालों की विश्वसनीयता को जो क्षति पहुंची है, उसकी भरपाई कैसे होगी? जिस अस्पताल में आग लगी, वह ज्यादा बड़ा नहीं था, महज 50 बिस्तरों वाले अस्तपाल में भी इंतजाम पूरे नहीं थे। देश के बड़े शहरों में अगर ऐसी लापरवाही या कोताही के साथ अस्पताल चल रहे हैं, तो छोटे शहरों और कस्बों के अस्पतालों में कितनी लापरवाही हो रही होगी? ऐसी घटनाएं सबक की तरह हैं। इसी बहाने देश के सभी अस्पतालों में तमाम मूलभूत इंतजामों पर गौर कर लेना चाहिए। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में छोटी-छोटी लापरवाहियों के लिए भी कोई जगह नहीं होनी चाहिए। जब कोई मरीज अस्पताल पहुंचता है, तो वह खुद को डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधकों के हाथों सौंप देता है। अस्पताल एक भरोसा है कि वहां अच्छी देखभाल होगी। सब यही मानते हैं, लेकिन जब भरोसा टूटता है, तो पूरे स्वास्थ्य क्षेत्र पर उसका असर पड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गृह राज्य में हुई मौतों पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री और शहर के मेयर से भी चर्चा की है। बेशक, कोरोना के समय अस्पतालों में हो रही कमी को उच्च स्तर पर देखने की जरूरत है। कोरोना की वजह से अनेक अस्पतालों में व्यवस्था सुधरी है, तो अनेक अस्पताल ऐसे भी हैं, जो लापरवाह हुए हैं। खासकर कोताही उन निजी अस्पतालों में ज्यादा हो रही है, जिन्हें सरकारों ने कोविड मरीजों के लिए अपने हाथों में ले लिया है। अहमदाबाद के जिस अस्पताल में आग लगी, वह भी इसी श्रेणी में था। स्वाभाविक ही अब उसे बंद कर दिया गया है। यह जरूरी है कि ऐसे जितने अक्षम अस्पताल हैं, उन्हें बंद किया जाए। निजी अस्पतालों को भले ही कोरोना की वजह से स्टाफ की कमी का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन तब भी उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी हादसे की नौबत न आए। तमाम इलेक्ट्रॉनिक, रासायनिक उपकरणों, बिजली आपूर्ति, अस्पतालों में स्थित भंडार और रसोईघर की जांच जरूरी है। ध्यान रहे, 65,000 से अधिक मामलों के साथ गुजरात देश के टॉप 10 कोरोना पीड़ित राज्यों में शामिल है। वह विकसित राज्यों में गिना जाता है, अत: उससे देश को उम्मीदें भी ज्यादा हैं। लगे हाथ हमारी सरकारों को कोरोना मरीजों की सेवा में लगे सरकारी अस्पतालों की भी सुध लेनी चाहिए। तरह-तरह की शिकायतें आ रही हैं। मरीजों को देखने में आनाकानी करने से लेकर बिस्तर-सफाई की बदइंतजामी तक, कमियों की सूची दिनोंदिन लंबी होती जा रही है। अहमदाबाद के हादसे के बाद लोग यह उम्मीद करेंगे, उन्हें देश के तमाम निजी और सरकारी अस्पतालों में सुधार की बयार दिखे। बढ़ते कोरोना को धूल चटाने के लिए हमें अस्पतालों की खामियों को भी इतिहास बनाना होगा।

भारतीयता का तीर्थ बनाया जाये अयोध्या को

विश्वनाथ सचदेव

लगभग साठ साल पुरानी बात है, जब मैं पहली बार अयोध्या गया था। गये तो हम तीर्थयात्री की ही तरह थे पर एक ऐतिहासिक जगह को देखने का भाव भी कहीं न कहीं अवश्य था। तब तांगे वाला हमें एक 'सोने की अयोध्या' दिखाने भी ले गया था। यह सोने की अयोध्या वास्तव में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी कथाओं को चित्रित करने का एक प्रयास था, जहां सभी मूर्तियां अथवा कलाकृतियां सुनहरे रंग से रंगी थीं। हमारा परिवार तथा कुछ अन्य यात्री वह सब देखकर कुछ ज़्यादा प्रभावित नहीं हुए थे। हमने तांगे वाले से पूछा था—वह हमें वहां क्यों लेकर गया। उसने बड़े ही सहज ढंग से जवाब दिया था—हर तीर्थयात्री को वहां लाने के उसे चार आने अर्थात अब के पच्चीस पैसे मिलते हैं। स्पष्ट है, उसने भले ही तीर्थयात्री कहा हो पर उस 'अयोध्या' के आयोजक हम जैसे लोगों को पर्यटक ही मानते थे। पर्यटन तब भी एक उद्योग था, अब भी एक उद्योग है। अब, जबकि अयोध्या में भूमि पूजन के बाद श्रीराम मंदिर का शिलान्यास हो गया है और भव्य श्रीराम मंदिर बन रहा है, उसके साथ-साथ समूची अयोध्या को एक शानदार पर्यटन-स्थल के रूप में भी विकसित किए जाने की योजना है। इसमें कुछ ग़लत भी नहीं है, दुनियाभर में 'धार्मिक-पर्यटन' को एक उद्योग और अवसर के रूप में स्वीकार किया गया है। इसलिए प्रधानमंत्री द्वारा भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का शिलान्यास अथवा भूमि पूजन के साथ ही अयोध्या के संदर्भ में नई संभावनाओं के द्वार भी खुले हैं। इन्हीं संभावनाओं का एक छोर राजनीति से भी जुड़ा है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का बनना भले ही इस देश की करोड़ों-करोड़ों हिंदुओं की आस्था और श्रद्धा से जुड़ा हो, पर यह तो स्वीकारना ही होगा कि जब से श्रीराम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद ने तूल पकड़ा है, इस पूरे प्रकरण का राजनीतिकरण भी हुआ है। सब ने इसका लाभ उठाने की पूरी कोशिश की है। भाजपा आडवाणी की रथयात्रा से मिले राजनीतिक लाभ को नहीं नकार सकती, और कांग्रेस इस बात को दुहराने से नहीं बचती कि कांग्रेसी प्रधानमंत्री के कार्यकाल में ही 'राम मंदिर' का ताला खुला था। आज भी, जब उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद राम मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है, उत्तर प्रदेश और केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें इसे अपनी राजनीतिक जीत के रूप में प्रस्तुत करने से नहीं चूक रहीं। इसमें कोई संदेह नहीं कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भाजपा के चुनावी-घोषणापत्र का शुरू से ही हिस्सा रहा है। वाजपेयी के शासनकाल में भले ही इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया हो, पर इसका चुनावी-लाभ उठाने की कोशिशें लगातार होती रही हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावों में तो भाजपा मंदिर-निर्माण का हवाला देकर वोट जुटाने की कोशिश करेगी ही, लगभग चार साल बाद जब लोकसभा के लिए चुनाव होंगे, तब तक राम-मंदिर का निर्माण हो जायेगा, और एक बार फिर राम का नाम राजनीति की नाव को खेने का सहारा बन सकेगा। राष्ट्र-हित का तकाज़ा है कि अब मंदिर-मस्जिद के इस मुद्दे को यहीं पूर्ण-विराम दिया जाये! अतीत को भुलाया जा भी नहीं सकता, पर अतीत के सहारे भविष्य को संवारने का लालच भी बुरी चीज़ है। विवादित ढांचे को ढहाये जाने के बाद इस आशय के प्रस्ताव भी देश में आए थे कि अयोध्या में एक ऐसा राष्ट्रीय स्मारक बनाया जाये जो हर भारतीय की भावनाओं को प्रकट करे और उसकी प्रेरणा का स्रोत बने। वह तो नहीं हो पाया, पर फिर भी यह अवसर अब भी हमारे हाथ में है कि हम श्रीराम मंदिर को ही ऐसी प्रेरणा के रूप में देखें-समझें। 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि ले' का तकाज़ा है कि अयोध्या के लोगों और भगवान राम का मंदिर, दोनों, एक राष्ट्रीय भावना की अभिव्यक्ति बनें। अयोध्या तो पहले भी सांप्रदायिक सौहार्द का उदाहरण बनी रही है। श्रीराम अयोध्या का भरण-पोषण करते रहे हैं, आगे भी करेंगे। यह बात अपने आप में भरोसा देने वाली है कि इस विवाद को लेकर न्यायालय में जाने वाले मुस्लिम पक्षकार को भी श्रीराम मंदिर निर्माण के इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया और वे वहां प्रधानमंत्री के लिए 'रामचरित मानस' की एक प्रति भेंट करने के लिए लेकर गए। भरोसा देने वाली बात यह भी है कि अयोध्या में फूल बेचने वाले मुस्लिम व्यापारियों को भी यही लग रहा है कि अब उनके भी अच्छे दिन आएंगे। यह बात भी एक सुखद अहसास देने वाली है कि मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए चढ़ाये जाने वाले फूलों के इन व्यापारियों में से ही एक ने मुझे बताया था कि वह सवेरे-सवेरे यहां फूल बेचने के लिए बैठते हैं। सच तो यह है कि सारे विवादों के बावजूद राम जी की अयोध्या सांप्रदायिक सौहार्द का उदाहरण रही है। अब, जबकि विवाद समाप्त हो गया है और अयोध्या में आने वाले भारत के कल का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है, अयोध्या को भारतीयता का एक नया उदाहरण बनना होगा। श्रीराम-कथा सामाजिक समरसता का संदेश देती है, निषाद को गले लगाकर, शबरी के जूठे बेर खाकर और वानर जाति की सहायता से रावण को पराजित करके राम ने सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने का एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। अब श्रीराम के भक्तों का यह दायित्व बनता है कि वे इस सामाजिक समरसता को विस्तार दें। सांप्रदायिक एकता की भावना के प्रसार के प्रति जागरूक रहें लेकिन यह तभी संभव है जब धर्म की राजनीति करने वाले, धर्म के नाम पर अपनी राजनीति साधने वाले, अपनी दृष्टि और दिशा दोनों बदलें। सुना है मुसलमानों ने श्रीराम मंदिर के निर्माण के लिए कार-सेवा करने का प्रस्ताव रखा है। यह निश्चित रूप से एक स्वागतयोग्य कदम है। देश में भाईचारे को बढ़ावा देने वाले ऐसे कार्यों को बढ़ावा देने का हरसंभव प्रयास होना चाहिए। सुना यह भी है कि उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में मस्जिद के निर्माण के लिए जो ज़मीन दी है, वहां मस्जिद के साथ-साथ सर्व धर्म समभाव को बढ़ावा देने वाला एक केंद्र भी स्थापित किया जायेगा। वहां एक अस्पताल बनाने की योजना भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस पुनीत कार्य में हिंदू भी सम्मिलित होंगे। श्रीराम मंदिर के नाम पर देश में कटुता का वातावरण पैदा करने की कोशिशों का सही उत्तर देने का अब समय आ गया है। यह उत्तर हम नागरिकों को देना है। हम चाहे किसी भी धर्म को मानने वाले हों, हमें बताना है कि धर्म के नाम पर हमें बांटने वालों की कोशिशें अब हम सफल नहीं होने देंगे। अयोध्या पर्यटन केंद्र नहीं, हर भारतीय के लिए एक तीर्थ बनेगा। मनुष्यता का तीर्थ राम के प्रति सच्ची भक्ति का यही अर्थ है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

लाभ

राममंदिर के भूमिपूजन पर कुछ लोग ये कहकर छाती पीट रहे हैं कि लाखों लोगों का बलिदान लेने के बाद बनने वाले ऐसे मंदिर का क्या लाभ? ये बिलकुल वैसा ही कुतर्क जैसे कोई कहे कि लाखों लोगों का बलिदान लेने के बाद देश को मिली ऐसी आज़ादी का क्या लाभ?

--अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

मानवीय चेतना

जग्गी वासुदेव/ शिक्षा का मतलब हमारे दिमागों में बस ढेर सारी जानकारियां डाल देना नहीं होना चाहिए पर यह होना चाहिए कि मनुष्य का पूरा विकास हो। अभी न तो मनुष्य का विकास हो रहा है, न ही उसके नजरिए या उसकी समझ को बड़ा किया जा रहा है। ज्यादातर शिक्षा बस जानकारी इकट्ठा करने, परीक्षा पास करने और कोई नौकरी पा लेने के लिए ही है। कुछ दशक पहले बहुत से देशों का आर्थिक स्तर ऐसा था कि शिक्षा का मूल उद्देश्य नौकरी पाना ही था, पर अब तो आर्थिक समृद्धि आ गई है तो यह नजरिया बदलना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ नौकरी पा लेना नहीं है, बल्कि मनुष्य को उन्नत बनाना है। आजकल हम लोग जिस तरह से जी रहे हैं, उसको जरा समझिए - हर दिन, लगभग 8000 बच्चे कुपोषण की वजह से मर रहे हैं। दुनिया भर में जो 80 करोड़ लोग हर रोज भूखे पेट सोते हैं, उनको खिलाने के लिए हमें हर महीने 97 से 98 करोड़ डॉलर की जरूरत होगी। और, यह वो रकम है जो एक महीने में सारी दुनिया सिर्फ वीडियो गेम खेलने में खर्च कर देती है। सारी दुनिया जितना पैसा भोजन पर खर्च करती है लगभग उतना ही शराब, तम्बाकू और नशीले पदाथरे का खर्चा है। दुनिया में लोग भोजन की कमी से भूखे नहीं हैं। इस वजह से भूखे हैं कि हमारे दिमाग विकृत हो गए हैं और हम गैर-जरूरी चीजें कर रहे हैं। आज संसाधनों के मामले में हम जितने समृद्ध हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। आज हमारे पास इतनी तकनीक हैं, जितनी पहले कभी नहीं थीं। काबिलियत, विज्ञान और ज्ञान के मामले में भी हम पहले के मुकाबले ज्यादा समृद्ध हैं। धरती पर किसी भी समस्या का निदान पाने के लिए आज हमारे पास जरूरी तकनीकें, संसाधन और काबिलियत है। मानवता के इतिहास में हम आज जितने काबिल हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। सिर्फ एक ही बात की कमी है और वो है मानवीय चेतना। जरूरी यह है कि हम जागरूक मानवता को निर्मित करें। हम जितनी जागरूकता के साथ अभी काम कर रहे हैं, अगर उससे केवल 10व भी ज्यादा जागरूक हो कर काम करें तो कोविड-19 के बाद यह एक अद्भुत दुनिया होगी। और आज हमारी पीढ़ी के पास यह संभावना है-क्या हम ऐसा नहीं करेंगे?

किसान के बेटे की प्रेरणादायी कामयाबी

अरुण नैथानी

सोनीपत के तेवड़ी गांव के प्रदीप सिंह ने केंद्रीय लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में टॉप करके सबको चौंकाया है। किसानी पृष्ठभूमि के साधारण परिवार के सहज-सरल प्रदीप सिंह ने सफलता की जो इबारत लिखी है, वह कई मायनो में चौंकाती है। सफलता के कई चौंकाने वाले निष्कर्ष हैं। उनकी सफलता ने बताया है कि खेलों, शारीरिक सौष्ठव में ही नहीं, बौद्धिक स्पर्धा में भी हरियाणा की प्रतिभाएं अव्वल आ सकती हैं। यह भी निष्कर्ष दिया है कि पहले दो बार में प्रवेश परीक्षा में असफल रहने वाला शख्स आगे के प्रयासों में टॉप भी कर सकता है। यह भी कि मेहनत और योजनाबद्ध ढंग से सामान्य छात्र भी असामान्य कर सकते हैं। वे आज उन तमाम छात्रों के लिये प्रेरणापुंज हैं जो एक-दो बार में आईएएस की परीक्षा में विफल हो जाने के बाद आगे के प्रयास बंद करके हताशा में डूब जाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदीप ने पारिवारिक दायित्वों और नौकरी करते हुए ये कामयाबी हासिल की है। बारहवीं करने के बाद उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। कालांतर एमएससी करने के उपरांत दिल्ली में इनकम टैक्स अफसर बने। दो बार की विफलता के बाद वर्ष 2018 में फिर आईएएस की परीक्षा दी और पूरे देश में 260वां रैंक हासिल किया। उन्होंने भारतीय राजस्व सेवा ज्वाइन की, फिलहाल वे फरीदाबाद स्थित राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नार्कोटिक्स अकादमी में पर्यवेक्षण पर हैं। एक समय ऐसा भी आया जब 29 वर्षीय प्रदीप को लगा कि नौकरी के साथ आईएएस परीक्षा की तैयारी नहीं हो सकती। लेकिन उनके पिता ने हमेशा उनका उत्साह बढ़ाया और कहा कि वह ऐसा कर सकता है। प्रदीप कहते भी हैं कि जो हमें प्रेरित करते हैं, निरंतर उनके संपर्क में रहना चाहिए। मैं जब भी कमजोर पड़ा, पिता ने संबल दिया, जिसकी बदौलत मैं आज आईएएस परीक्षा टॉप कर पाया हूं। प्रदीप एक किसान परिवार से हैं। उनके पिता सुखबीर सिंह एक किसान हैं और गांव के सरपंच भी रह चुके हैं। पिता उनके दिल के बेहद करीब हैं। पढ़ाई के दौरान प्रदीप ने कभी नहीं सोचा था कि आईएएस बनना है। उन्होंने इंजीनियरिंग की थी। पिता ने उन्हें बड़ा सपना दिखाया और उस सपने को पूरा करने का हौसला भी दिया। जब-जब प्रदीप का मन कमजोर हुआ, पिता संबल बनकर आगे आये। पिता सुखबीर सिंह कहते भी हैं, 'माता-पिता को अपने बच्चों की क्षमताओं पर विश्वास करना चाहिए। वे जो पाना चाहते हैं, उसके लिये प्रेरित भी करना चाहिए।' प्रदीप उन तमाम युवाओं के लिये प्रेरणापुंज हैं जो सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं और महंगी कोचिंग्स नहीं ले पाते। वे कहते हैं, 'हमें अपना ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रखना चाहिए। एकाग्रता बनाये रखें। कभी ऐसा वक्त भी आ सकता है जब आपको लगेगा कि हमसे नहीं हो पायेगा। उस वक्त आपका दृढ़ निश्चय मददगार होगा। हमें उन लक्ष्यों को याद करना चाहिए, जिसके लिये हमने यह राह चुनी थी।' बहरहाल, सहज-सरल दिखने वाले प्रदीप सिंह अपनी कामयाबी से खासे प्रसन्न हैं। जब रिजल्ट आया तो उन्हें यह पता था कि वे पास हुए हैं, मगर टॉप किया है, उन्हें नहीं मालूम था। एक मित्र ने फोन के जरिये इसकी सूचना दी। इससे उनकी खुशी दुगनी हो गई। प्रदीप की दिली इच्छा रही है कि उन्हें हरियाणा कैडर मिले ताकि वे खेत-किसानी के प्रदेश की सेवा कर सकें। उनके जीवन का मकसद है कि शिक्षा के सुधारों को गति दें और किसान व कमजोर तबके के उत्थान के लिये काम कर सकें। उन्होंने पिता के सरपंच और किसानी के जीवन को करीब से देखा है। आईएएस परीक्षा के साक्षात्कार में भी उनकी किसान पृष्ठभूमि को लेकर प्रश्न किये गये। पूछा गया कि केंद्र सरकार द्वारा 2022 तक किसान की आय दुगनी करने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है? उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में तो संभव नहीं लेकिन यदि घोषणाओं को हकीकत में बदला जाये तो संभव है। जैसे किसानों को अपनी फसल बेचने की छूट। आईएएस परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों से वे कहना चाहते हैं कि मुख्य परीक्षा के लिये लेखन कला को निखारना चाहिए। साक्षात्कार के लिये अपनी स्किल्स पर ध्यान देना चाहिए। यदि कड़ी मेहनत से आगे बढ़ा जाये तो लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। यद्यपि नौकरी के साथ आईएएस की परीक्षा की तैयारी मुश्किल थी लेकिन उन्होंने अपनी पढ़ाई को योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया। उन्होंने दिन के घंटे तय करने के बजाय सप्ताह के लिये पाठ्यक्रम निर्धारित किया। यदि किसी एक दिन पूरा समय नहीं मिला तो अगले दिन उसकी पूर्ति कर ली। लेकिन सप्ताह का पाठ्यक्रम सप्ताह में ही पूरा किया। आयकर अधिकारी के रूप में दिन में जब एक घंटे का लंच ब्रेक मिलता था तो दस मिनट में लंच करके पचास मिनट में पढ़ाई कर लेते थे। प्रदीप का मानना है कि पढ़ाई में निरंतरता के साथ लक्ष्य के प्रति फोकस होना चाहिए। एकाग्रता जरूरी है।

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएचईएल ने पश्चिम बंगाल में सागरदिघी बिजली संयंत्र का निर्माण कार्य शुरू किया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भेल ने शुक्रवार को कहा कि उसने पश्चिम बंगाल में 660 मेगावाट क्षमता वाले सागरदिघी सुपरक्रिटिकल तापीय बिजली परियोजना का निर्माण कार्य शूरू कर दिया है। भेल ने एक बयान में कहा कि परियोजना के लिए पूर्व इंजीनियरिंग गतिविधियों को पूरा करने के बाद 'जीरो डेट' से ही परियोजना का काम शुरू किया गया। कंपनी ने कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि पारंपरिक रूप से काम शुरू करने में जीरो डेट के बाद कुछ महीने लगते हैं। जीरो डेट वह तारीख है, जिससे परियोजना का कार्यान्वयन शुरू होता है। कंपनी ने बताया कि यह एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि आमतौर पर निर्माण कार्य शुरू होने में जीरो डेट से कुछ महीनों का वक्त लगता है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 3,500 करोड़ रुपये है और इसे भेल ने कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच हासिल किया था।

कोविड-19 वैक्सीन पर काम कर रही है अरविंदो फार्मा, BIRAC से मिलेगा वित्त पोषण

हैदराबाद। दवा कंपनी अरबिंदो फार्मा लिमिटेड कोविड-19 की वैक्सीन सहित कई वायरल वैक्सीन बनाने पर काम कर रही है और उसे जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने वित्त पोषण के लिए मंजूरी दी है। कंपनी ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा, 'वर्ष (वित्त वर्ष 2019-20) के दौरान हमने ऑरो वैक्सीन के जरिए प्रोफेक्टस बायोसाइंसेज की आरएंडडी परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करके वैक्सीन खंड में अपनी उपस्थित को मजबूत किया है। इन आरएंडडी परिसंपत्तियों के उपयोग से कई वायरस वैक्सीन विकसित की जा ही हैं, जिसमें कोविड-19 के लिए वैक्सीन भी शामिल है।' अरविंदो फार्मा ने कहा कि नवंबर 2019 में उसकी सहायक कंपनी ऑरो वैक्सीन एलएससी ने प्रोफैक्टस बायोसाइंसेज इंक यूएसए के कुछ कारोबार का 80 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया। दवा कंपनी ने वार्षिक रिपोर्ट में कहा, 'हमारी संभावित वैक्सीन का बीआईआरएसी (जैव प्रौद्योगिकी उद्योग शोध सहायता परिषद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग) ने मूल्यांकन किया। बीआईआरएसी ने हमारे मंच का बड़े पैमाने पर मूल्यांकन किया और हमें बताया कि हमारी वैक्सीन को प्रारंभिक विकास के लिए वित्त पोषण के लिए चुना गया है।' कंपनी न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी) विकसित कर रही है। इस उत्पाद के वैश्विक बाजार का आकार 6.2 अरब अमेरिकी डॉलर है। कंपनी ने पहले और दूसरे चरण के अध्ययन को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। तीसरे चरण का क्लीनिकल अध्ययन दिसंबर 2020 तक शुरू होने का अनुमान है।

बिना इंटरनेट भी कर सकेंगे डिजिटल लेन-देन, सरकार ने शुरू की नई सुविधा

बिजनेस डेस्क। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक ऐसी सुविधा की शुरुआत की है, जिसके जरिए आप बिना इंटरनेट कनेक्शन के भी डिजिटल लेनदेन कर सकेंगे। आरबीआई ने अब पायलट आधार पर ऑफलाइन यानी बिना इंटरनेट के कार्ड और मोबाइल के जरिए छोटी राशि के भुगतान की अनुमति दे दी है। इसके तहत एक बार में 200 रुपए तक के भुगतान की अनुमति होगी। इस पहल का मकसद उन जगहों पर भी डिजिटल लेन-देन के लिए ग्राहकों को प्रोत्साहित करना है, जहां इंटरनेट से संपर्क की कनेक्टिविटी कम है यानी लेनदेन के लिए इंटरनेट से सम्पर्क की जरूरत नहीं होगी। केंद्रीय बैंक की अधिसूचना के अनुसार पायलट योजना के तहत भुगतान कार्ड, वॉलेट या मोबाइल उपकरणों या अन्य किसी माध्यम से किया जा सकता है। इसके लिए किसी अन्य प्रकार के वेरिफिकेशन की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, अभी सिंगल पेमेंट के लिए अधिकतम सीमा 200 रुपए है लेकिन भविष्य में ये रकम बढ़ाई जा सकती है। फिलहाल, इसे पायलट योजना के तहत चलाया जाएगा, बाद में आरबीआई औपचारिक व्यवस्था स्थापित करने के बारे में निर्णय करेगा। पायलट योजना 31 मार्च, 2021 तक चलेगी। आरबीआई ने कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट का अभाव या उसकी कम गति डिजिटल भुगतान के रास्ते में बड़ी बाधा है।

पहली बार 100 अरब डॉलर के क्लब में शामिल हुए फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग

बिजनेस डेस्क।

टिकटॉक के प्रतिस्पर्धा से हटने की संभावना को देखते हुए फेसबुक इंक के शेयर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। फेसबुक के शेयरों में तेजी की वजह से इसके संस्थापक मार्क जुकरबर्ग 100 अरब डॉलर नेटवर्थ वाले कारोबारियों की सूची में शामिल हो गए हैं। उन्होंने पहली बार इस सूची में जगह बनाई है। महज 36 साल के जुकरबर्ग अब अपने साथी टेक दिग्गजों जेफ बेजोस और बिल गेट्स के साथ इस सूची में शामिल हो गए हैं। 100 अरब डॉलर के क्लब में दुनिया में अभी सिर्फ यही तीन लोग हैं। फेसबुक इंक में जुकरबर्ग की करीब 13 फीसदी हिस्सेदारी है। असल में अमेरिका की दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियों के इन संस्थापकों की कोरोना संकट और लॉकडाउन में और चांदी हो गई है, क्योंकि दुनिया में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल इस दौर में और बढ़ा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक अमेरिकी अर्थव्यवस्था तेजी से नीचे की ओर जा रही है लेकिन इस साल जुकरबर्ग की संपत्ति में 22 अरब डॉलर तो बेजोस की संपत्ति में करीब 75 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। पांच दिग्गज टेक कंपनियों- एप्पल, एमेजॉन इंक, अल्फाबेट गूगल, फेसबुक और माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प की बाजार पूंजी अमेरिका के कुल सकल घरेलू उत्पाद के 30 फीसदी के बराबर हो गया है। यह दो साल में करीब दोगुना हो गया है।

पहली तिमाही में टीवी टुडे नेटवर्क का शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। टीवी टुडे नेटवर्क ने शुक्रवार को बताया कि जून 2020 तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 74.99 प्रतिशत घटकर 12.76 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले की समान अवधि में उसे 51.03 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय 32.64 प्रतिशत घटकर 175.45 करोड़ रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 260.5 करोड़ रुपये थी। इस दौरान कंपनी का कुल व्यय 18.92 प्रतिशत घटकर 147.64 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 182.11 करोड़ रुपये था। शेयर बाजार को अलग से दी गई एक जानकारी में टीवी टुडे ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 10 अगस्त 2020 से अपने अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र 'मेल टुडे' के प्रिंट संस्करण को निलंबित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हालांकि, मेल टुडे की सामग्री डिजिटल प्रारूप में प्रकाशित होती रहेगी।

कोरोना इफैक्ट: फेसबुक कर्मचारी जुलाई 2021 तक करेंगे 'वर्क फ्रॉम होम'

बिजनेस डेस्क। कोरोना वायरस संकट के कारण दुनियाभर में काम करने का तरीका बदल गया है। अब अधिकतर लोग अपने घर से ही दफ्तर का काम कर रहे हैं। फेसबुक ने भी जुलाई 2021 तक अपने सभी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने की छूट दे दी है। फेसबुक के एक प्रवक्ता के हवाले से गुरुवार को द वर्ज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, स्वास्थ्य और सरकारी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के साथ-साथ इन मामलों में हमारी आंतरिक चर्चा से लिए गए निर्णय के आधार पर हम कर्मचारियों को जुलाई, 2021 तक स्वेच्छा से घर से काम करना जारी रखने की अनुमति दे रहे हैं। इसके अलावा कंपनी कर्मचारियों को होम ऑफिस के लिए सभीजरूरी सामनों की खरीददारी करने के लिए अतिरिक्त 1,000 डॉलर भी दे रही है। जरूरी सामनों की खरीददारी करने के लिए अतिरिक्त 1,000 डॉलर भी दे रही है। इससे पूर्व में गूगल और ट्विटर जैसी कंपनियों ने भी घर से काम करने की अनुमति दी है। बता दें कि जुलाई के अंत में टेलिकॉम डिपार्टमेंट ने और इंडस्ट्री को इस साल दिसंबर तक घर से काम करने की छूट दे दी है। सरकार ने देश में कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए इस इंडस्ट्री के कर्मचारियों को जुलाई तक घर से काम करने की अनुमति दी थी। लेकिन इसे अब दिसंबर तक बढ़ा दिया गया है।

ट्विटर ने यूजर्स को दी सिक्यॉरिटी वॉर्निंग, ऐप को तुरंत करें अपडेट

नई दिल्ली।

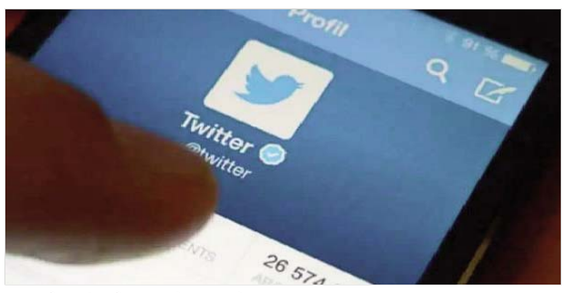

ट्विटर ने अपने एंड्रॉयड यूजर्स को एक सिक्यारिटी मेसेज के जरिए अलर्ट किया है। ने अपने यूजर्स से जल्द ही ट्विटर ऐप अपडेट करने को कहा है। ऐसा इसलिए हैं, दरअसल साइट पर एक बग सामने आया है, जिसकी वजह से एंड्रॉयड 8 और एंड्रॉयड 9 यूजर्स प्रभावित हो रहे थे। बुधवार को ट्विटर को एंड्रॉयड ऐप में मौजूद एक बड़े सिक्योरिटी फ्लॉ का पता चला। साइट पर नजर आई इस खामी की मदद से यूजर्स के प्राइवेट मेसेज का खुलासा हो रहा है। लेकिन ट्विटर ने दावा किया है कि समय रहते हमने इसका पता लगा लिया है और अभी तक इस खामी का फायदा उठाए जाने से जुड़े कोई सबूत सामने नहीं आए हैं। ट्विटर ने कहा 4 प्रतिशत ट्विटर यूजर्स इसकी वजह से प्रभावित हुए हैं और इन यूजर को सिक्योरिटी नोटिफिकेशन भेजा गया है।

ट्विटर यूजर्स को ऐप ओपन करने पर लर्ट दिख रहा है, जिसमें ऐप अपडेट करने की सलाह दी जा रही है। यूजर्स द्धारा ट्विटर ऐप के लेटेस्ट वर्जन अपडेट करने के बाद इस बग को दूर किया जा सकता है। कंपनी ने अपने बयान में कहा है कि यूजर्स अपने ट्विटर डेटा को सुरक्षित रखने के लिए सभी एंड्रॉयड डिवाइसों पर ट्विटर के नए वर्जन को अपडेट करें। वैसे तो बग ने के लिए ट्विटर को प्रभावित नहीं किया। माइक्रोब्लॉगिंग साइट की ओर से कहा गया कि इस बग का फिक्स अक्टूबर, 2018 में ही रिलीज कर दिया गया था लेकिन कई यूजर्स को अब भी अपना ऐप अपडेट करने की जरूरत है। वहीं, बीते कुछ दिनों से यूजर्स के डाटा को लेकर पूरी दुनिया में कई तरह के सवाल उठए जा रहे हैं। इस दौरान कई बड़े प्रोफाइल अकाउंट्स हैक कर लिए गए थे। जिनमें पूर्व अमेरिकी प्रेसिडेंट बराक ओबामा, बिल गेट्स, एलन मस्क और रैपर कायन वेस्ट सहित 130 हाई-प्रोफाइल हस्तियों, राजनेताओं और बिजनेस के अकाउंट्स शामिल थे।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 94 प्रतिशत घटकर 55 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिंद्रा एंड महिंद्रा का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का एकीकृत मुनाफा 94 प्रतिशत घटकर 54.64 करोड़ रुपये रह गया। तिमाही के दौरान कोविड-19 महामारी की वजह से कंपनी का परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 894.11 करोड़ रुपये का कर बाद मुनाफा कमाया था । शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 37 प्रतिशत घटकर 16,321.34 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 26,041.02 करोड़ रुपये थी। कंपनी के ऑटोमोटिव खंड की आमदनी घटकर 6,508.6 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,547.84 करोड़ रुपये थी। इसी तरह कृषि उपकरण कारोबार की आमदनी घटकर 4,906.92 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,077.9 करोड़ रुपये थी। वित्तीय सेवा कारोबार की आमदनी बढ़कर 3,031.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,822.03 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान कंपनी के होटल क्षेत्र के कारोबार की आय घटकर 294.26 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 612.49 करोड़ रुपये थी।

भारत आने वाले यात्री शनिवार से 'एयर सुविधा पोर्टल पर कर सकेंगे स्वघोषणा

नई दिल्ली।

विदेशों से भारत आने वाले यात्रियों को स्वघोषित फॉर्म भरने और अनिवार्य क्वारंटीन से छूट प्राप्त करने के लिए 'एयर सुविधा पोर्टल पर आवेदन करना होगा। 'एयर सुविधा पोर्टल को दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने तैयार किया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस ऑनलाइन फॉर्म को नागरिक विमानन मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और दिल्ली, उत्तर-प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों के सहयोग से विकसित किया गया है। भारत आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्री इस पोर्टल पर अनिवार्य स्वघोषित फॉर्म भर सकते हैं और अनिवार्य क्वारंटीन प्रक्रिया से छूट प्राप्त करने के लिए 08 अगस्त से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भारत आने के बाद क्वारंटीन से छूट के लिए इस पोर्टल पर उड़ान से कम से कम 72 घंटे पहले आवेदन अनिवार्य होगा। सिफ 'कुछ ही श्रेणी के यात्रियों को अनिवार्य संस्थागत क्वारंटीन से छूट दी जाएगी। सिर्फ गर्भवती महिलाओं, गंभीर रूप से बीमार लोगों और 10 साल या उससे कम उम्र के बच्चों के माता-पिता तथा जिनके परिवार में किसी की मृत्यु हो गई हो, उन्हें ही इससे छूट मिलेगी। अन्य यात्रियों को सात दिन तक संस्थागत क्वारंटीन में अनिवार्य रूप से रहना होगा। इसके अलावा यदि कोई यात्री विमान में सवार होने से 96 घंटे पहले कोविड-19 की जांच कराता है और उसकी रिपोर्ट निगेटिव आती है तो उसे भी संस्थागत क्वारंटीन से छूट मिल जायेगी। उसे घर पर ही 14 दिन तक क्वारंटीन रहना होगा। क्वारंटीन से छूट के लिए ऑनलाइन आवेदन पर सरकार का फैसला अंतिम होगा तथा बाद में उसमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। फिलहाल जारी व्यवस्था के तहत लोग भारत आने के बाद प्रवेश स्थान पर क्वारंटीन से छूट के लिए आवेदन करते हैं। इसमें काफी समय लगता है और हवाई अड्डे के निकास पर लंबी कतारें लग जाती है। वहीं, स्वघोषणा पत्र उड़ान के पहले किसी भी समय तक भरा जा सकता है। सभी आवेदकों को आगमन के पहले ही पोर्टल के आधार पर संबंधित राज्य सरकार को स्वतः यात्रियों की जानकारी भेजी जाएगी। उसी तरह सभी स्वघोषणा पत्र आवेदन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एयरपोर्ट स्वास्थ्य कार्यालय को भेज दिए जाएंगे।

भारत में गेमिंग श्रेणी पर ध्यान केंद्रित कर रही है हरमन

नयी दिल्ली। ऑडियो समाधान मुहैया कराने वाली कंपनी हरमन भारत में गेमिंग श्रेणी पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी तेजी से बढ़ रहे इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत बनाने के लिये चैनल के विस्तार तथा बिक्री व विपणन के प्रयासों में निवेश कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। हरमन के पास एकेजी, हरमन कार्डन, इनफिनिटी और जेबीएल जैसे ब्रांड हैं। कंपनी ने हाल ही में गेमिंग पसंद करने वाले उपभोक्ताओं के लिये भारत में हेडसेट की नयी श्रृंखला जेबीएल क्वांटम पेश की है। हरमन के उपाध्यक्ष (लाइफस्टाइल ऑडियो) विक्रम खेर ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमने इस रेंज को विकसित करने के लिये महत्वपूर्ण रूप से निवेश किया है ... हम उम्मीद करते हैं कि गेमिंग हमारी वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगा।'' उन्होंने कहा कि गेमिंग खंड में इस वर्ष के भीतर हमारे राजस्व में 10 प्रतिशत योगदान देने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''हम मानते हैं कि हम सही समय पर बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। भारत में मांग काफी अधिक रही है। गूगल, केपीएमजी आदि की विभिन्न रिपोर्टों में 2021 तक गेमिंग बाजार के 1.1 अरब डॉलर तक पहुंच जाने का अनुमान लगाया गया है।

टिकटॉक ही नहीं, शेयर चैट पर भी माइक्रोसॉफ्ट की नजर

बिजनेस डेस्क।

अमेरिकी टेक जायंट माइक्रोसॉफ्ट की नजर चाइनीज ऐप टिकटॉक पर ही नहीं, बल्कि देसी शेयर चैट पर भी है। न्यूजपेपर मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन शेयर चैट में 100 मिलियन डॉलर (750 करोड़ रुपए के करीब) का निवेश कर सकती है। दरअसल शेयर चैट अपने विस्तार के लिए नए सिरे से फंडिंग कर रहा है। लेटेस्ट फंडिंग के तहत अगर यह डील हो जाती है तो कंपनी को एक तिहाई निवेश मिल जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि शेयर चैट फिलहाल अपने वर्तमान निवेशकों से ही फंड इकट्ठा करने में लगा हुआ है। वह नए निवेशक के साथ हाथ मिलाने की जगह पुराने निवेशकों के साथ बातचीत में जुटी है। इससे पहले ट्विटर ने शेयर चैट में 100 मिलियन डॉलर (750 करोड़ रुपए) का निवेश किया था। उस समय कंपनी की कीमत 650 मिलियन डॉलर (करीब 48 हजार करोड़ रुपए) आंकी गई थी। यह डील इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में बैन किए जाने के बाद और अमेरिका में बैन की धमकी मिलने के बीच माइक्रोसॉफ्ट टिकटॉक के ग्लोबल बिजनेस को खरीदने की तैयारी कर रही है। यह फाइनैंशल टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है। हालांकि कंपनी की तरफ से जो बयान जारी किया गया था उसके मुताबिक, वह टिकटॉक के अमेरिका, कनाडा, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया बिजनस को खरीदने की दिशा में बात कर रही है। इसके लिए टिकटॉक के पैरंट कंपनी बाइटडांस से बातचीत जारी है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चाइनीज ऐप का तमगा हटाने के लिए बाइटडांस भी ओनरशिप बेचने के मूड में है। हालांकि इसकी संभावना भी है कि बाइटडांस टिकटॉक इंडिया को विदेशी कंपनी की जगह देशी निवेशकों के हाथों बेच दे।

भारत की पहली 'किसान रेल शुरू, इन राज्यों के किसानों को होगा फायदा

मुंबई।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए देश की पहली 'किसान रेल' को हरी झंड़ी दिखाकर महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित देवलाली से बिहार के दानापुर के लिए रवाना किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने कहा कि किसान रेल से सस्ती दरों पर कृषि उत्पादों, खासतौर से जल्दी खराब होने वाली उपज के परिवहन में मदद मिलेगी, और यह पहल किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य दिलाने में सहायक होगी। तोमर ने कहा कि भारतीय रेलवे ने कोविड-19 महामारी के बीच देश भर में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 96 मार्गों पर 4,610 रेलगाड़ियों का संचालन किया।

इस आयोजन की अध्यक्षता करने वाले रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की भलाई के लिए कई उपाए किए हैं और इससे देश के किसान आत्मनिर्भर व समृद्ध होंगे। इस आभासी समारोह में रेल राज्य मंत्री सुरेश अंगड़ी, महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल भी शामिल हुए।

किसान रेल एक साप्ताहिक सेवा है, जो हर शुक्रवार को देवलाली से सुबह 11 बजे चलेगी और अगले दिन शाम पौने सात बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में यह रेलगाड़ी प्रत्येक रविवार को दानापुर से दोपहर 12 बजे रवाना होगी और अगले दिन शाम पौने आठ बजे देवली पहुंचेगी। एक फेरे में यह रेलगाड़ी 31.45 घंटे में कुल 1,519 किलोमीटर की दूरी तय करेगी तथा इस दौरान नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, बुरहानपुर, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, सतना, कटनी, मानिकपुर, प्रयागराज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन और बक्सर में रुकेगी।

कोरोना वायरस, अमेरिका से व्यापार तनाव के बावजूद जुलाई में बढ़ा चीन का निर्यात

बीजिंग ।

कोरोना वायरस महामारी तथा अमेरिका के साथ जारी व्यापार तनाव के बाद भी जुलाई महीने में चीन का निर्यात साल भर पहले की तुलना में 7.5 प्रतिशत बढ़ गया। इससे संकेत मिलता है कि चीन की अर्थव्यवस्था कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप से उबरने लगी है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य महीने के दौरान अमेरिका को चीन के निर्यात में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। इस दौरान चीन का कुल निर्यात 237.6 अरब डॉलर रहा। यह जून 2020 की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक है। जुलाई माह के दौरान चीन का आयात 1.4 प्रतिशत कम होकर 175.3 अरब डॉलर रहा। चीन में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप सबसे पहले शुरू हुआ। दिसंबर 2019 में महामारी की शुरुआत के बाद चीन ठप्प होने वाली पहली वैश्विक अर्थव्यवस्था रहा। हालांकि उसने महामारी पर सबसे पहले काबू भी किया और मार्च में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ने कोविड-19 पर विजय का दावा किया। इससे पहले जून तिमाही में चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। चीन की जीडीपी में यह वृद्धि मार्च तिमाही की 6.8 प्रतिशत की गिरावट के बाद आयी। चीन का निर्यात वैश्विक औसत की तुलना में तेज गति से सामान्य स्थिति में लौट रहा है। इससे पता चलता है कि चीन के विनिर्माता महामारी से अब भी जूझ रही अन्य अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी पर कब्जा जमाने लगे हैं।

एपी सुमन पाण्डेय पाण्डेय 0708 1425 बीजिंग इससे पता चलता है कि चीन के विनिर्माता महामारी से अब भी जूझ रही अन्य अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी पर कब्जा जमाने लगे हैं। एपी सुमन पाण्डेय पाण्डेय 0708 1425 बीजिंग।

देश की 90 प्रतिशत मोबाइल हैंडसेट मांग की आपूर्ति घरेलू उत्पादन से : आईटी सचिव

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी सचिव अजय प्रकाश साहनी ने कहा कि देश की मोबाइल हैंडसेट की 90 प्रतिशतमांग घरेलू उत्पादन से पूरी हो रही है। उन्होंने अगले पांच साल में घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग के सालाना 30 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की उम्मीद जताई। साहनी 'इंवेस्ट इंडिया एक्सक्लूसिव इंवेस्टमेंट फोरम' जापान संस्करण के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा देश में मोबाइल हैंडसेट विनिर्माण का स्तर पिछले पांच साल में छह करोड़ से बढ़कर 33 करोड़ हो गया है। देश की 90 प्रतिशत हैंडसेट की मांग घरेलू उत्पादन से पूरी हो रही है। साहनी ने कहा भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण वृद्धि कर रहा है। पिछले पांच साल में हमने इस क्षेत्र में 23 प्रतिशत सालाना की संचयी वृद्धि दर्ज की है। अब अगले पांच साल में हमें इसके सालाना 30 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले साल हमने इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अगले पांच साल में देश का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद निर्यात सालाना 40 से 50 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। साहनी ने कहा कि देश का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन अगले पांच साल के दौरान कम से कम 153 अरब डॉलर (करीब 11.5 लाख करोड़ रुपये) का हो जाएगा। गौरतलब है कि एप्पल के लिए अनुबंध पर फोन बनाने वाली कंपनियों समेत सैमसंग, लावा, डिक्सन और अन्य 22 घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय मोबाइल फोन विनिर्माण कंपनियों की अगले पांच साल में 11 लाख करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन विनिर्माण की योजना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

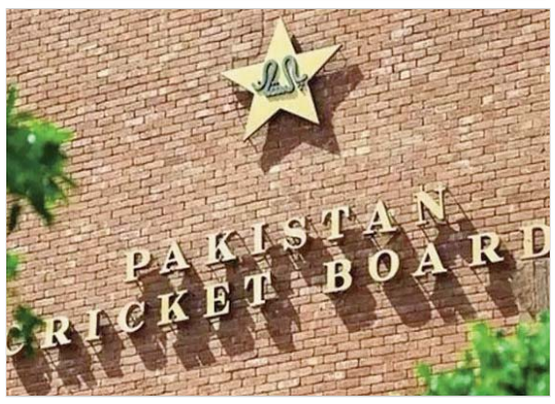

पीसीबी ने 63 ग्राउंड स्टाफ के लिए वित्तीय पुरस्कार की घोषणा की

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को उन 63 ग्राउंड स्टाफ के लिये वित्तीय पुरस्कार की घोषणा की जिन्होंने 2020 पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के दौरान चार शहरों में बेहतरीन काम किया। पीएसएल का पिछला चरण 20 फरवरी को शुरू हुआ था, लेकिन मार्च में कोविड-19 के कारण इसे ग्रुप चरण के बाद निलंबित कर दिया गया था क्योंकि पीसीबी ने खुलासा किया था कि एक विदेशी खिलाड़ी में कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण दिखे थे। पीसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'कराची, लाहौर, मुल्तान और रावलपिंडी के 63 ग्राउंड स्टाफ (मैदान पर काम करने वाले) को अगस्त के महीने में उनके वेतन का 50 प्रतिशत बोनस मिलेगा। साथ ही बोर्ड उन पांच दैनिक भत्ते वाले मजदूरों को भी 10,000 (पाकिस्तानी रूपया) का पुरस्कार देगा जो पीसीबी से नहीं जुड़े हैं। पीसीबी ने पहली बार पाकिस्तान में पीएसएल के पूरे चरण की मेजबानी की है लेकिन महामारी के चलते फाइनल और प्लेअआफ स्थगित करने पड़े थे।

भारत के लिए खेलना चाहता है आईपीएल में धूम मचाने वाला खिलाड़ी, 2017 में खेला था अंतिम मैच

स्पोर्ट्स डेस्क । आईपीएल में धमाल मचाने वाले अमित मिश्रा तीन साल से भारतीय टीम से बाहर हैं लेकिन अभी भी उन्हें टीम में वापसी का इंतजार है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो सिर्फ आईपीएल के लिए खेलता रहेगा। मिश्रा ने भारत के लिए आखिरी मैच 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था और एक टी20 मैच था। मिश्रा ने एक क्रिकेट वेबसाइट से कहा, बेशक! यही वजह है कि मैं अब भी खेल रहा हूं। मैं कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो सिर्फ आईपीएल के लिए खेलता रहेगा। मेरी लड़ाई खुद से है। मुझे हमेशा तैयार रहना चाहिए जब तक भारतीय टीम का फोन नहीं आता है। यही विश्वास मेरे पास हमेशा है। हां, मुझे अब भी वापसी की उम्मीद है। रिटायरमेंट पर बात करते हुए मिश्रा ने कहा, मैंने हमेशा यह प्रतिबिंबित करने की कोशिश की है कि यदि मैं डिमोटिनेटेड रहता हूं तो इसका लाभ किसे मिलने वाला है? इसका फायदा मेरे प्रतियोगियों को मिलेगा। हर अस्वीकृति के बाद, मैंने अपने कौशल पर और भी अधिक मेहनत करने की कोशिश की है। मिश्रा सेयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में खेलते दिखाई दिए थे और ज्यादा मैचों में नॉट आउट रहे थे। मिश्रा श्रीलंका के तेज मिश्रा सेयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में खेलते दिखाई दिए थे और ज्यादा मैचों में नॉट आउट रहे थे। मिश्रा श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के बाद दूसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं।

कश्मीर की नन्ही खिलाड़ी ने किया यूटी का नाम रोशन, आनलाइन प्रतियोगिता में जीता सोना

श्रीनगर। केन्द्रिय खेल मंत्रालय की तरफ से आयोजित ऑनलाइन किक बाक्सिंग प्रतियोगिता में कश्मीर के मार्शलआर्ट खिलाड़ी ने गोल्ड जीतकर जम्मू कश्मीर का नाम रोशन किया। पांचवी कक्षा की छात्र रूतबा शबीर तीन वर्ष से वुशु में कड़ी प्रेक्टिस कर रही थी। उसने बताया कि मेरे अंकल और मेरी बहन ने मुझे इस तरफ प्रेरित किया। मैने जब प्रशिक्षण शुरू किया तो मेरी रूचि बढ़ गई और मैने कड़ी मेहनत की। रूतबा जम्मू और लुधियाना में भी नेशनल प्रतियोगिताओं में भाग ले चुकी है। उसने कहा कि कोविड 19 के कारण इस बार प्रतियोगिता आनलाइन की गई और मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा और मुझे गोल्ड मिला। उसने कहा कि वो दिन में तीन बार प्रेक्टिस करती है। रूतबा एशियन गेम्स में भाग लेना चाहती है। उसने कहा कि कश्मीर की लड़कियों को वो कहना चाहती है कि मेहनत करो और फिर देखो। तुम जीतोगी। कोच आसिफ के अनुसार रूतबा काफी मेहनत करती है।उन्होंने कहा कि देशभर से खिलाड़ियों ने भाग लिया और रूतबा ने तो कमाल ही कर दिया। उन्होंने बताया कि उन्हें कुछ दिन पहले ही प्रतियोगिता की जानकारी मिली थी और उन्होंने बेहद कम दिनों में तैयारी की।

आईपीएल 2020 को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी, सरकार ने यूएई में टूर्नामेंट करवाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कराने की मंजूरी मिल गई है और आठ फ्रेंचाइजी टीमों ने अपने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए कोविड-19 जांच प्रोटोकॉल और पृथकवास शुरू करके अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि लिखित में मंजूरी अगले कुछ दिनों में कभी भी मिल सकती है। शीर्ष सूत्र ने कहा, 'हमें सैद्धांतिक रूप से मंजूरी मिल गई है और लिखित में मंजूरी कभी भी मिल जाएगी। ज्यादातर फ्रेंचाइजी बीसीसीआई के आदेश के अनुसार 20 अगस्त के बाद बेस के लिए रवाना होंगी। चेन्नई सुपरकिंग्स 22 अगस्त को रवाना होने के लिए तैयार है। मुंबई इंडियंस ने अपने भारतीय खिलाड़ियों को अपने बेस पर पृथकवास में रख दिया है। कुछ फ्रेंचाइजी अपने खिलाड़ियों के लिए उनके संबंधित शहरों में कोविड-19 परीक्षण का इंतजाम कर रही हैं जिसके बाद वे यूएई जाने के लिए अपने प्रस्थान बेस (दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरू) जाएंगी। फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, 'अगर उनका पीसीआर परीक्षण हो जाएगा और इसकी रिपोर्ट नेगेटिव होगी तो यह अच्छा होगा। जैसा कि यूएई रवाना होने से पहले बीसीसीआई की मानक परिचालन प्रक्रिया में जिक्र किया गया है।

क्रिकेट

मसूद का लगातार तीसरा शतक, पाकिस्तान के 326

मैनचेस्टर ।

सलामी बल्लेबाज शान मसूद (156) के लगातार तीसरे शतक की मदद से पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरूवार को पहली पारी में 326 रन का सम्मानजनक स्कोर बना लिया।पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल वर्षा और खराब रोशनी से प्रभावित रहा था और 49 ओवर ही फेंके जा सके थे। पाकिस्तान ने आज दो विकेट पर 139 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसकी पहली चायकाल के बाद 326 रन पर सिमटी। मसूद ने 319 गेंदों में 18 चौकों और दो छक्कों की मदद से 156 रन बनाये। उन्होंने अपनी टीम के कुल स्कोर में लगभग आधे स्कोर का योगदान दिया।बाबर आजम ने 69 रन और मसूद ने 46 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। मसूद ने एक छोर संभालकर शानदार बल्लेबाजी की और अपना लगातार तीसरा शतक पूरा किया। यह उनका कुल चौथा टेस्ट शतक था। मसूद ने दिसम्बर 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 135 और फरवरी 2020 में बंगलादेश के खिलाफ 100 रन बनाये थे।मसूद ने अपने 50 रन 156 गेंदों में, 100 रन 251 गेंदों में और 150 रन 311 गेंदों में पूरे किये। मसूद चायकाल तक 314 गेंदों में 17 चौकों और दो छक्कों की मदद से 151 रन बनाकर क्रीज पर थे और उनका विकेट चायकाल के बाद गिरा।सुबह बाबर आजम अपने कल के स्कोर में इजाफा किये बिना जेम्स एंडरसन की गेंद पर आउट हो गए। बाबर आजम ने 106 गेंदों पर 69 रन में 11 चौके लगाए। असद शफीक सात रन बनाकर स्टुअर्ट ब्रॉड का शिकार बने। मोहम्मद रिजवान नौ रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट हुए।पाकिस्तान का पांचवां विकेट 176 के स्कोर पर गिरा। लंच के समय पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 187 रन था। मसूद 77 रन बनाकर क्रीज पर थे।मसूद ने लंच के बाद शादाब खान के साथ छठे विकेट के लिए 105 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।डॉम बेस ने शादाब को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। शादाब ने 76 गेंदों पर 45 रन में तीन चौके लगाए। जोफ्रा आर्चर ने यासिर शाह और मोहम्मद अब्बास को पाकिस्तान के 291 के स्कोर पर लगातार गेंदों पर आउट किया। चायकाल के समय मसूद के साथ शाहीन आफरीदी एक रन बनाकर क्रीज पर थे।ब्रॉड ने चायकाल के बाद मसूद और नसीम शाह के विकेट लेकर पाकिस्तान की पारी 109.3 ओवर में 326 रन पर समेट दी। ब्रॉड ने मसूद को पगबाधा कर उनकी शानदार पारी का अंत किया। मसूद का विकेट 317 के स्कोर पर गिरा। नसीम का खाता नहीं खुला जबकि शाहीन नौ रन पर नाबाद रहे।इंग्लैंड की तरफ से ब्रॉड ने 54 रन पर तीन विकेट, आर्चर ने 59 रन पर तीन विकेट और वोक्स ने 43 रन पर दो विकेट लिए जबकि एंडरसन और बेस को एक-एक विकेट मिला।

किम क्लिस्टर्स, मरे को अमेरिका ओपन में मिला वाइल्ड कार्ड

वॉशिंगटन ।

महिला टेनिस खिलाड़ी किम क्लिस्टर्स और एंडी मरे को साल के चौथे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट अमेरिका ओपन में वाइल्ड कार्ड मिला। अमेरिका ओपन की शुरुआत 31 अगस्त से हो रही है। किम अपनी 2009 की सफलता को दोहरना चाहेंगी जहां वह मां बनने के कारण लिए संन्यास से वापसी कर रही थीं उन्होंने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश के बाद खिताब अपने नाम किया था। बाद में वह एक मात्र ऐसी पहली मां बनी जो डब्ल्टीए रैंकिंग में नंबर-1 रैंकिंग हासिल करने में सफल रहीं।2005, 2009 और 2010 में अमेरिका ओपन का खिताब जीतने वाली किम सात साल के रिटायरमेंट के बाद 2020 की शुरुआत में वापसी करने में सफल रही थीं 2012 के बाद से वे अपना पहला अमेरिका ओपन टूर्नामेंट खेलेंगी। विश्व के नंबर 129 खिलाड़ी मरे करीब से कट हासिल करने में चूक गए।

128 विश्व रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को अमेरिका ओपन में सीधे प्रवेश मिला है। वह 2018 के बाद से अपना पहला अमेरिका ओपन खेलेंगे। 2017 और 2019 में वह चोट कारण इस टूर्नामेंट में नहीं खेले थे और 2019 आस्ट्रेलियन ओपन के बाद संन्यास के बारे में भी सोच रहे थे।वहीं इस साल अमेरिका ओपन की ईनामी राशि में भी कटौती की गई है। इस बार पिछले साल के मुकाबले 8.50 लाख डॉलर (करीब 6 करोड़ 36 लाख रुपए) की कटौती की गई है। यूएसटीए ने कहा कि पुरुष और महिला एकल वर्ग में चैंपियन को 2020 में ईनाम के तौर पर तीन मिलियन डॉलर (करीब 22 करोड़ 54 लाख रुपए) मिलेंगे। यूएसटीए के मुताबिक, इस साल टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को कुल 53.4 मिलियन डॉलर (करीब 399 करोड़ रुपए) राशि ईनाम के तौर पर दी जाएगी।

5 भारतीय खिलाड़ी जो आईपीएल 2020 में करेंगे पर्दापण, मचा सकते हैं धमाल

नई दिल्ली ।

आईपीएल-2020 का आयोजन यूएई में होना तय हो गया है। ऐसे में वह भारतीय युवा क्रिकेटर भी उत्साहित होते नजर आ रहे हैं जोकि इस पेशेवर लीग में पहली बार हिस्सा लेने जा रहे हैं। पिछले साल दिसंबर में आईपीएल के लिए लगी बोली में भारत के ऐसे पांच युवा क्रिकेटर सामने आए थे जिनपर विभिन्न फ्रेंचाइजी ने मोटी रकम खर्च की थी। आइए आपको बताते हैं कि यह युवा क्रिकेटर कौन हैं- यशस्वी ने अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट के 6 मैचों 133.3 की बेहतरीन औसत के साथ कुल 400 रन बनाए थे। उन्होंने टूर्नामेंट में 4 अर्धशतक और 1 शतक लगाया। विजय हजारे टूर्नामेंट में उनके नाम दोहरा शतक है। आईपीएल 2020 की नीलामी में उन्हें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने खरीदा है। बंगाल टीम को रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंचाने वाले ईशान पोरेल पर किंग्स इलेवन पंजाब ने दाव लगाया है। ईशान दोनों तरफ गेंद को स्विंग करवाने की काबिलियत रखते हैं। युवा बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल ने विजय हजारे वनडे टूर्नामेंट और सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। विजय हजारे में वह 11 मैचों में 609 रन बनाने में कामयाब रहे थे। आईपीएल 2019 में उन्हें आरसीबी ने अपने साथ लिया है। तुषार देशपांडे को दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा है। वह मुंबई की ओर से खेलते हैं। अपनी गति के कारण वह अक्सर चर्चा में रहते हैं।

सिंधु, प्रणीत और सिक्की ने कोविड-19 ब्रेक के बाद अभ्यास शुरू किया

नई दिल्ली। विश्व चैम्पियन पी.वी. सिंधु, बी साई प्रणीत और एन सिक्की रेड्डी कोरोना वायरस के कारण चार महीने तक कोर्ट से दूर रहने के बाद शुक्रवार को हैदराबाद स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में कड़ी सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत अभ्यास के लिए पहुंचे। तेलंगाना सरकार से एक अगस्त को मंजूरी मिलने के बाद साइ ने ओलंपिक का टिकट हासिल करने वाले संभावित आठ खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रिय बैडमिंटन शिविर शुरू करने का फैसला किया। राष्ट्रीय मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा, 'मैं इस लंबे ब्रेक के बाद अभ्यास के लिए अपने शीर्ष खिलाड़ियों को वापस देखकर बहुत खुश हूं। हम सुरक्षित वातावरण में प्रशिक्षण फिर से शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में जो आठ खिलाड़ी शामिल है उनमें लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल, पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, महिला युगल खिलाड़ी अश्विनी पोनप्पा और पुरुष युगल में चिराग शेट्टी एवं सत्विक साईराज की जोड़ी भी शामिल है। रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधु के पिता पी.वी. रमन्ना ने कहा, 'सिंधु ने आज सुबह 6:30 से 8: 30 तक अभ्यास किया। गोपी और पार्क भी मौजूद थे। वह इस सप्ताह इसी समय में हर रोज अभ्यास करेगी। उन्होंने कहा, 'वह घर में भी अभ्यास कर रही है इसलिए शारीरिक रूप से अच्छी स्थिति में है लेकिन अक्टूबर तक कोई टूर्नामेंट नहीं है इसलिए वह चीजों को आराम से ले रही है। वह कार्यभार को ज्यादा नहीं बढ़ा रही है। हमें सतर्क रहना है। सिंधू के बाद प्रणीत और सिक्की ने 8.30 से 10.30 बजे तक अभ्यास किया। वह कार्यभार को ज्यादा नहीं बढ़ा रही है। हमें सतर्क रहना है। सिंधू के बाद प्रणीत और सिक्की ने 8.30 से 10.30 बजे तक अभ्यास किया।

युवा खिलाड़ियों के लिए शुरूआत में सही तकनीक सीखना जरूरीः भरत छेत्री

बेंगलुरु ।

भारत के पूर्व हॉकी कप्तान भरत छेत्री का मानना है कि खिलाड़ियों को सफलता के लिए कम उम्र में सही तकनीक सीखना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से बेसिक्स पर काम करने का आग्रह किया। भारत के लिए 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी ने कहा, 'एक पूर्व खिलाड़ी के रूप में आप जानते हैं कि इस खेल में सफल होने के लिए सही तकनीक का होना कितना महत्वपूर्ण है। छेत्री ने कहा, 'मैं एक गोलकीपर था और हमारे लिए वास्तव में यह महत्वपूर्ण था कि हम बुनियादी तकनीक को सीखें। उन्होंने कहा, 'हमारे समय में हमें सही चीजों के बारे में बाद में पता चला जब हमने दुनिया भर में खेलकर अनुभव हासिल किया। देश में मौजूदा दौर के युवा खिलाड़ियों के लिए फायदे की बात है कि उनके पास सुविधाओं और कोचिंग का बढ़िया स्तर भी मौजूद है। हॉकी दुनिया भर में विकसित हुई है और छेत्री ने कहा कि वह 'वास्तव में खुश हैं कि भारत में खेल से जुड़े लोग भी व्यापार को अच्छी तरह से सीख रहे हैं । उन्होंने कहा, 'इसमें बहुत सारे कारक शामिल हैं, जैसे कि युवा खिलाड़ियों के लिए अधिक मौके और खेल के सभी मूल सिद्धांतों पर उन्हें जानकारी देना। उन्होंने कहा, 'यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि देश में युवा अपने संबंधित करियर से जुड़ी चीजो में जल्दी सही तकनीक सीखे क्योंकि इससे वह दूसरे खिलाड़ियों से बेहतर होंगे। पूर्व गोलकीपर ने कहा कि वह अपने करियर में बहुत कुछ हासिल नहीं कर सके लेकिन वह युवा खिलाड़ियों को उनके सपनों को साकार करने में मदद करना चाहते हैं। भारतीय टीम की लंदन 2012 ओलंपिक में अगुवाई करने वाले छेत्री ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो जब भी मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि मैं जो हासिल करना चाहता था उसके मुताबिक सफल करियर नहीं बना पाया।

एफआईएच अकादमी - हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन से 'एक स्तर के इस प्रमाणित पूर्व गोलकीपर ने कहा, 'इसलिए जब मैंने खेल छोड़ने का फैसला किया, तब मैंने युवा खिलाड़ियों के जरिए अपने सपनों को पूरा करने के लिए कोचिंग देने का फैसला किया था।

न्यू साउथ वेल्स ने ऑस्ट्रेलियन ओपन की मेजबानी की पेशकश की

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई राज्य न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के 2021 संस्करण की मेजबानी के लिए अन्य खेल आयोजनों की मेजबानी करने की पेशकश की है जो आमतौर पर पड़ोसी विक्टोरिया में आयोजित किए जाते हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन सीजन के 4 ग्रैंड स्लैम में से पहला है और आमतौर पर जनवरी के अंत में शुरू होता है। विक्टोरिया की राजधानी मेलबोर्न 1972 से मेजबान स्थान रहा है। हालांकि, राज्य में वर्तमान में समय लॉकडाउन के दौरान 8 हजार मामले सामने आए हैं जबकि न्यू साऊथ वेल्स में यह संख्या 800 के करीब है। न्यू साऊथ वेल्स के डिप्टी प्रीमियर जॉन बारिलारो ने कहा- यह अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, खेल के लिए ऑस्ट्रेलियाई मानस के लिए महत्वपूर्ण है। निश्चित रूप से हमें विक्टोरियाई लोगों के साथ काम करने में सक्षम होना चाहिए। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग के मैच के अलावा बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच भी होना है, अब इसपर भी बादल मंडराने लगे हैं।

सरफराज को जूते उठाए देख गुस्से में आए शोएब अख्तर, टीम मैनेजमेंट पर निकाली भड़ास

स्पोर्ट्स डेस्क ।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफ़राज अहमद को ओल्ड ट्रैफ़र्ड में खेले जा रहे इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन 12वें व्यक्ति के रूप में ड्यूटी करते हुए देखा गया। इस दौरान वह साथी खिलाड़ियों पानी पिलाते और जूते उठाते नजर आए। ये बात पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को नागवारा गुजरी और टीम प्रबंधन पर भड़क उठे। अख्तर ने कहा, आपने सरफराज को जूते उठाने के लिए रखा है। अख्तर ने कहा, मुझे ये पसंद नहीं आया। अगर आप कराची के किसी लड़के का उदाहरण बनाना चाहते हैं तो यह गलत है। जिस खिलाड़ी ने 4 साल तक पाकिस्तान का नेतृत्व किया हो और देश के लिए चैंपियंस ट्रॉफी जीती हो आप उसके साथ ऐसा नहीं कर सकते, तुमने उसे जूते ले जाने के लिए रखा है। अगर उसने खुद ऐसा किया है तो उसे रोकें। वसीम अकरम मेरे लिए कभी भी जूते नहीं लाए थे। रावलपिंडी एक्सप्रेस ने कहा, इससे पता चलता है कि सरफराज़ कितना शांत और कमजोर है। उसने उसी तरह से पाकिस्तान का नेतृत्व किया होगा जैसे उसने जूते उठाए थे। यही कारण है कि (पूर्व कोच) मिकी आर्थर हमेशा उन पर हावी रहे। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि जूते ले जाना एक समस्या है, लेकिन पूर्व कप्तान ऐसा नहीं कर सकते। मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता मिस्बाह-उल-हक ने भी इस विवाद पर ध्यान दिया और कहा, इस प्रकार की चर्चा केवल पाकिस्तान में हो सकती है। मिसबाह ने दिन का खेल खत्म होने के बाद एक वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान कहा, मैंने 12वें व्यक्ति का कर्तव्य भी निभाया, जब मैं कप्तान था और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में बाहर बैठा था। ऐसा करने में कोई शर्म नहीं है। मिस्बाह ने कहा, सरफराज एक बेहतरीन इंसान और खिलाड़ी हैं। वह जानता है कि यह एक टीम गेम है। जब अन्य खिलाड़ी बाहर अभ्यास कर रहे होते हैं, तो जो खिलाड़ी उपलब्ध होता है उसे मदद करनी होती है। उन्होंने आगे कहा, यह असम्मान की बात नहीं है। वास्तव में, यह बड़ी बात है कि सरफराज को ऐसा करने में कोई आपत्ति नहीं है। साथ ही, यह एक अच्छी टीम का संकेत भी है।

सेविला और वोल्वस यूरोपा लीग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ड्यूसबर्ग। सेविला ने अंतिम-16 के मुकाबले में रोमा को 2-0 से हराकर यूरोपा लीग फुटबॉल खिताब को रिकार्ड छठी बार जीतने की ओर कदम बढाया। सेविला के अलावा वॉल्वरहैम्प्टन, बेयर लीवरकुसेन और बेसल ने भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। सर्जियो रेगुलोन ने मैच के 21वें मिनट में पहला गोल दागा जबकि यूसुफ इन-नेसरी ने मध्यांतर से ठीक पहले 44वें मिनट में इस बढ़त को दोगुना कर दिया। क्वार्टर फाइनल में सेविला का सामना मंगलवार को वोल्वस से होगा। इंग्लैंड की इस टीम ने ओलंपिआकोस को 1-0 से हराकर कुल 2-1 की एग्रीगेट बढ़त के साथ 48 साल में पहली बार यूरोपा लीग के क्वार्टर फाइनल में क्वालीफाई किया। राउल जिमीनेज ने नौवें मिनट में मैच का इकलौता गोल किया। बेयर लीवरकुसेन ने रेंजर्स को 1-0 से हराया जिसे क्वार्टर फाइनल में इंटर मिलान से भिड़ना है। बासेल ने फाबियान प्रेई को हराया। क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने वाली आठ टीमें सात अलग-अलग देशों की है जिसमें से सिर्फ इंग्लैंड की दो टीमें वोल्वस और मैनचेस्टर यूनाइटेड हैं। एपी आनन्द नमिता क्वार्टर फाइनल में इस टीम का सामना शाख्तर डोनेट्स्क से होगा। क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने वाली आठ टीमें सात अलग-अलग देशों की है जिसमें से सिर्फ इंग्लैंड की दो टीमें वोल्वस और मैनचेस्टर यूनाइटेड हैं। एपी आनन्द नमिता

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कटहल की खेती दे भरपूर फायदे

गुरदासपुर के एक किसान ने अपने खेत में कटहल के वृक्ष लगाए। यह वृक्ष लगभग 13 से 15 वर्षों के दरम्यान भरपूर फल देने लगता है। यह फल लगभग 12 रुपये से लेकर 50 रुपये किलो के हिसाब से बिकता है। सब्जी मंडी वाले स्वयं ही फल तोड़कर ले जाते हैं। एक कटहल तीन किलो से लेकर 16 किलो तक हो जाता है। यह वृक्ष बोहड़ या पीपल की भांति विशाल, ऊंचा–चौड़ा होता है।

कटहल को अंग्रेजी में ब्रेड फ्रूट तथा संस्कृत में इसको 'पनस' कहते हैं जिसके अर्थ हैं कटहल या कांटा। कटहल के वृक्ष को फल जड़ से लेकर तनों तथा शाखाओं तक लगता है। एक वृक्ष से क्विंटलों के हिसाब से फल उतरता है तथा कई माह तक रहता है। बेशक कटहल एक फल है। इसका आचार तथा स्वादिष्ट सब्जी बनती है। पक जाने पर यह बीच से मीठा होता है। कटहल की ऊपरी चमड़ी रोएंदार, कील जैसी खड़ी खुरदरी होती है। भारत के पूर्व वाले क्षेत्र तथा बर्मा, बिहार, गोरखपुर में ज्यादा पाया जाता है। दक्षिण भारत का पूर्वी तथा पश्चिमी तट कटहल का असली घर है। पंजाब में भी कटहल की बिजाई कामयाब हो रही है। कटहल में कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, तेल, रेशे, विटामिन बी, सोडियम, लोहा, फासफोर्स, पोटाशियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं।

कटहल का वृक्ष 40 से 60 फुट ऊंचा हो जाता है। इस वृक्ष को मार्च-अप्रैल के दो माह दो प्रकार के नर तथा मादा अलग-अलग फल पड़ते हैं। इसके नर फल लम्बे तथा मादा गोल होते हैं। इसका फल मई से जुलाई तक सब्जी बनाने के काम आता है। इसके वृक्ष दो प्रकार के होते हैं। एक किस्म के वृक्ष के फल बीज वाले होते हैं तथा दूसरे में बीज नहीं होते। पंजाब में बीज वाले ही वृक्ष कामयाब हैं। यह गर्म क्षेत्र का वृक्ष है और पंजाब का जलवायु इसके लिए बहुत ही अनुकूल है। इस वृक्ष के नीचे लम्बे समय तक पानी खड़ा नहीं होना चाहिए। जून के माह यह वृक्ष फल से गुच्छों के रूप में भरपूर हो जाता है। अधिक पैदावार लेने के लिए दिसंबर-जनवरी के माह में इसकी कांट-छांट कर देनी चाहिए, अगर कांट-छांट न की जाए तो फल कम पड़ता है।

कटहल पौधों की बुआई कटहल के पक्के फल के बीजों से की जाती है तथा बिन बीज वाले पौधों की बुआई बिन बीज वाले कटहल के पौधों की जड़ से नए पौधे लिए जाते हैं। कटहल के बीज वाले फल को बीज पड़ते हैं तथा ऊपर ही पकने वाले फल से बीज निकाल कर बोए जाएं तो भी उगते हैं। फरवरी माह या फिर बरसातों में ही इसके पौधे खेतों में लगाएं।

प्रथम दो-तीन माह इनकी संभाल बहुत अनिवार्य है। एक से दूसरे पौधे की दूरी 40 फुट तक होनी चाहिए। जड़ से पैदा किए पौधे को 5-6 वर्षों बाद ही फल पड़ जाता है परन्तु बीज वाले पौधे को आठ से दस वर्ष बाद ही फल पड़ता है। इसके टूटे हुए फल को अगर खुली हवा में न रखा जाए तो एक सप्ताह में ही यह हल्का होकर पिचक जाएगा। इसकी लकड़ी पीले रंग की होती है तथा बहुत अच्छी किस्म की होती है। इसकी लकड़ी को दीमक नहीं लगता। इसकी लकड़ी से दरवाजे, खिड़कियां तथा फर्नीचर आदि बनता है। पॉलिश करने पर इसका काठ भव्य लगने लगता है। इसके बुरादे से एक प्रकार का पीला रंग बनता है जिससे बर्मा में आज बौद्ध-भिक्षु अपने वस्त्र रंगा करते हैं। इसकी छाल के काढ़े से भी रंग तैयार होता है।

कटहल की खेती अपनायें-खूब लाभ कमायें

कटहल के पौधे दीर्घ जीवी अधिक लाभ देने वाले विटामिन ए, सी तथा खनिज पदार्थों से भरपूर होते है। इनके फलों का उपयोग मुख्य रूप से सब्जी एवं अचार के लिए किया जा सकता है। यदि किसान कटहल का उत्पादन व्यवसाय रूप से करें तो उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। वर्तमान में उद्यानिकी विभाग द्वारा विषेष तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहायता दी जा रही है। जिसका किसान लाभ ले सकें।

कटहल मध्यप्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसके लिए पानी के निकास वाली गहरी उपजाऊ दोमट भूमि अच्छी रहती है। यह पौध अधिक सर्दी, गर्मी सहन नहीं कर पाता है किन्तु पर्याप्त प्रकाष मिलने पर इसका उत्पादन अच्छा हो जाता है।

कटहल की दो किस्में होती है। कडे गूदे वाली व मुलायम गूदे वाली इसकी जो प्रमुख जातियां है उनमें रूद्राक्षी, सिंगापुर, मुत्तम, वारीखाल व खाजा। रूद्राक्षी के फल छोटे व कांटे वाले होते है इनका वजन 4 से 5 किलो तक होता है। पूर्ण अवस्था प्राप्त वृक्षों से 500 से अधिक फल प्राप्त होते यह सब्जी के लिए उपयुक्त किस्म है। सिंगापुर जाति का वजन 7 से 10 किलो तक होता है गूदा मीठा फुर्रफुरा व पीले रंग का होता है। मुत्तम औसत 7 किलोग्राम तक का फल लगता है। सबसे बडे फल वाली किस्म खाजा है यह इसमें सफेद कोये वाले फल का भार 25 से 30 किलोग्राम तक होता है। इसके कोये पकने पर दूध की भांति सफेद रसदार एवं कोमल होते है।

कटहल का उद्यान लगाने के लिए चयनित स्थान पर रेखांकन कर 10 मीटर कतार से कतार एवं 10 मीटर पौधे की दूरी पर एक मीटर लंबे चौडे एवं गहरे आकार के गड्डों को खोदकर मई के अंतिम सप्ताह या जून के प्रथम सप्ताह में खेत की मिट्टी व गोबर की खाद के मिश्रण के साथ 500 ग्राम सुपर फासफेट, 500 ग्राम पोटास एवं 50 ग्राम ऐलडेग्स चरूण मिलाकर भर दिये जाते है। वर्षा ऋतु में पौध के रोपण हेतु उपयुक्त समय होता है। पौध रोपण के बाद मिट्टी को अच्छी तरह से दबा देते है और नियमित देखभाल की जाती है। पौधों में संतुलित मात्रा में 1 से 6 वर्ष तक गोबर की खाद एवं उर्वरक की मात्रा दी जाती है। पौधों की सिंचाई हेतु गर्मी में 15 दिन व सर्दी ऋतु में 1 माह में सिंचाई की जाती है। दो तीन वर्ष की उम्र के पौधों की गर्मी के समय 7 दिन व ठंड में 15 दिन में सिंचाई करना ठीक रहता है।

कटहल के वृक्ष में नर एवं मादा फूल आते है। नर पहले व मादा वाद में आते है। नर फूल बाद में झण जाते है। मादा फूल मुख्य तने से लेकर प्रारंभिक तथा सहायक शाखाओं में लगे रहते है। अच्छी फसल के लिए कीट व्याधी उपचार हेतु समय-समय पर दवाओ का छिडकावं जरूरी है। कटहल की उपज औसतन 10 से 15 वर्ष पष्चात् 100 से 250 फल प्रति वृक्ष प्राप्त होते है। फलों का भार 5 से 30 किलोग्राम तक होता है और मार्च से जून तक प्राप्त होते है।

बिना जुताई के बोआई करने वाली मशीन

आज के आधुनिक जहां हर क्षेत्र में नई नई तकनीके आ रही हैं वहीं कृषि क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ाने के लिए हमारे वैज्ञानिक भी लगे हुए हैं और सफल भी हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कम समय और कम लागत में कृषि उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के कृषि यंत्रों का निर्माण ही नहीं किया गया बल्कि उनसे कृषि उत्पादन बढ़ाने में कई अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। नए-नए कृषि यंत्रों से जहां किसानों का समय बचा है वहीं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। भारत के किसानों ने खेती के उत्पादन बढ़ाने के लिए कई तरह के यंत्रों का उपयोग अपनी खेती किसानी के लिए किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमलनाथ पर भारी पड़ी राम भक्ति ! कांग्रेस को जामिया निजामिया ने धमकाया

भोपाल। अपने जनाधार को बचाने के लिए और भाजपा के हिंदुत्व की काट खोजने में जुटे कमलनाथ और कांग्रेस को राम भक्ति काफी भारी पड़ती नजर आ रही है। इस मामले में कांग्रेस का कुल वोट कहा जाने वाला मुस्लिम वर्ग अब उससे नाराज हो गया है मामले में गौरतलब बात यह है कि स्थानीय स्तर पर मुस्लिमों की नाराजगी के बाद इस विषय पर सीधे जामिया निजामिया ने संज्ञान लिया है और उन्होंने कमलनाथ और कांग्रेस को जताते हुए कहा कि मुसलमानों ने उस पर जो भरोसा किया था वह बेकार गया अब मुस्लिम वर्ग को फिर से सोचने की जरूरत है। राम मंदिर और कमलनाथ के भगवाधारी रवैये को देखते हुए जामिया निजामिया ने इस वाक्य के बाद से कौम की सभी महिलाओं को हमारा सलाह है कि आने वाले चुनाव में कमलनाथ और कांग्रेस पर भरोसा न करें। अपने क्षेत्र में आपका साथ देने वाले प्रतिनिधि को सोच समझ वोट दें। इस देश में मुस्लमान अब अकेला है। इस दौर में हमें अपने लिए सोच समझकर नेता का चयन करना होगा। हमें विश्वास है कि अकाबिरों की बताए हुए रास्ते से हटना बड़ा नुकसान का कारण बन सकता है। ये पहले दिन से स्पष्ट कर दिया है कि अब से हमारा कोई कनेक्शन कमलनाथ या कांग्रेस से नहीं है। दीन पर बयान और फिक्र को लेकर हम अपनी आवाज हमेशा बुलंद करेंगे। क्योंकि उम्मत की नेतृत्व करना हम अपना दिनी कर्तव्य समझते हैं। दरअसल, मध्यप्रदेश में पिछले कई दिनों से बहुत से राजनीतिक घटनाक्रम बदले हैं। कांग्रेस का भगवाकरण होना एक ऐसा मुद्दा है जिसने विवाद के रुप में जोर पकड़ा है। भक्ति भी ऐसी कि इसके सामने कोरोना जैसी महामारी भी बौनी साबित हो रही है। कमलनाथ की अगुवाई में प्रदेश भर में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा हनुमान चालीसा के पाठ किया गया। वहीं राम मंदिर के शिलान्यास के दौरान पीसीसी मुख्यालय में दीपोत्सव भी किया। कांग्रेस और कमलनाथ के इस पहल से कई सवाल उठते हैं कि कांग्रेस की इस बदलती हुई सियासत के मायने क्या हैं ? कांग्रेस और कमलनाथ के इस पहल से कई सवाल उठते हैं कि कांग्रेस की इस बदलती हुई सियासत के मायने क्या हैं ?

संक्षिप्त समाचार

जीतू पटवारी ने कोरोना और चीन को लेकर मोदी को घेरा, कहा- देश को राम भरोसे छोड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश के कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री जीत पटवारी ने एक बार फिर से केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। पटवारी ने एक के बाद ट्वीट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लिया। जीतू पटवारी ने ट्वीट में लिखा- देश की सरकार ने कोरोना महामारी को भगवान राम के भरोसे छोड़ दिया है, जीना है जियो... मारना है मरो... हे राम देश को बचाओ। कोरोना के साथ ही पटवारी ने चीन के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा है। दरअसल, देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और ट्वीट में लिखा- 20 लाख का आंकड़ा पार, गायब है मोदी सरकार । इसी ट्वीट पर रिट्वीट करते हुए जीतू पटवारी ने केंद्र सरकार को घेरा और कहा कि देश की सरकार ने कोरोना महामारी को भगवान राम के भरोसे छोड़ दिया है, जीना है जियो... मारना है मरो... हे राम देश को बचाओ। जीतू पटवारी ने एक अन्य ट्वीट करते हुए चीन मुद्दे को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए और आरोप लगाते हुए लिखा - प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्रालय का बयान अलग-अलग है। सच्चाई देशवासियों को जानने का हक है या नहीं, भारत के प्रधानमंत्री, चाइना दोनों एक ही भाषा बोल रहे हैं। भारत की जमीन पर घुसपैठ नहीं हुई। आप देश को सच्चाई बता दें, प्रधानमंत्री सही है या रक्षा मंत्रालय का बयान... देश को गुमराह मत करो। बता दें कि रक्षा मंत्रालय द्वारा अपनी वेबसाइट पर सीमा विवाद से जुड़े डॉक्यूमेंट अपलोड किए हैं। जिनमें एलएसी और खासकर गलवान घाटी में 5 मई से चीन की आक्रामकता बढ़ रही थी। उसने 17-18 मई को कुंगरांग नाला, गोगरा और पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर घुसपैठ की थी। मंत्रालय ने पहली बार चीनी घुसपैठ की बात मानी है। इन्हें लेकर विपक्षी दल कांग्रेस लगातार सरकार पर हमलावर है।

नपाक पाक पुंछ सेक्टर में बरसा रहा गोले

जम्मू। पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों में शुक्रवार को गोलीबारी की और गोले दागे, जिसका भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। गोलीबारी में तीन सिविल नागरिक घाल हो गये है। उन्हें पुंछ जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तानी बल ने लगातार चौथे दिन नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। प्रवक्ता ने कहा,"पाकिस्तानी सेना ने सुबह करीब साढ़े छह बजे पुंछ जिले के बालाकोटे में बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार दाग संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने इसका मुंह तोड़ जवाब दिया। पाकिस्तानी सेना ने पिछले तीन दिनों में कस्बा, कृष्णाघाटी, बालाकोटे, मनकोट, मेंढर, किरनी, पुंछ जिले के सेक्टरों और राजौरी जिले में सुंदरबानी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के अग्रिम इलाकों में गोलाबारी की है।

शराब की दुकान को लेकर केजरीवाल सरकार का बड़ा फैसला, अब 12 घंटे तक खुलेंगे ठेके

नेशनल डेस्क। दिल्ली सरकार ने शहर में शराब की दुकानें अब एक घंटे अधिक खोलने का फैसला किया है। अधिकारी ने बताया कि इस कदम से सरकार के राजस्व में भी इजाफा होगा। आबकारी विभाग की ओर से गुरुवार को जारी आदेश के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में अब शराब की दुकानें सुबह 10 से रात 10 बजे तक खुलेंगी। पहले दुकानें रात 9 बजे बंद हो जाती थीं। सरकार ने आदेश में कहा कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की राज्य कार्यकारी समिति के अध्यक्ष द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए दिल्ली सरकार ने 31 जुलाई 2020 से रु6, रु7, रु8, रु9 और रु10 शराब की दुकानों को अब सुबह 10 से रात 9 की बजाय सुबह 10 से रात 10 बजे तक खोलने की अनुमति दी है। यह स्थिति तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक जारी रहेगी। दिल्ली में 863 शराब दुकानें हैं, जिनमें से 475 का संचालन दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, दिल्ली टूरिज्म एंड ट्रांसपोर्टेशन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, दिल्ली स्टेट सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन और दिल्ली कंज्यूमर कोऑपरेटिव होलसेल स्टोर करते हैं। वहीं करीब 389 दुकानें निजी हैं।

जल रही चिता से निकाले अधजले शव ने खोली ब्लाइंड मर्डर की पोल, पति ही निकला हत्यारा

इंदौर। इंदौर के बेटमा थाना क्षेत्र के माचल गांव में पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। जहां पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर उसे आत्महत्या बताकर उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया था। लेकिन पुलिस को इसकी भनक लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और श्मशानघाट से अधजला शव निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट में पता चला कि पत्नी की मौत गला दबाने से हुई है। पति ने अपनी पत्नी की हत्या सिर्फ इस कारण से कर दी क्योंकि वह अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी और वापस आ गई थी और समाज में उसकी बेज्जती के कारण उसकी बहनों से राखी बांधने घर नहीं आई थी। दरअसल बेटमा थाना क्षेत्र के ग्राम माचल के रहने वाले 60 वर्षीय दिलीप सिंह ने अपने उम्र से 30 साल छोटी संजू कुंवर से शादी की थी वह फरवरी माह में अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी लेकिन 2 महीने बाद फिर से लौट भी आई और आकर अपने पति के साथ ही रहने लगी। इसी बीच 3 अगस्त को पति दिलीप सिंह को पता चला कि वह फिर से अपने प्रेमी के साथ भागने वाली है और पहले ही उसके भागने से समाज में उसकी बेज्जती हो चुकी थी और इसी कारण उसकी बहन भी उसे राखी बांधने इस बार घर नहीं आई थी। इसी गुस्से के चलते उसने 4 तारीख की रात को पहले अपनी पत्नी संजू कुंवर को नींद की गोलियां खिलाई और उसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर दी जैसे ही सुबह हुई उसने पत्नी को फांसी के फंदे पर टांग दिया। सुबह उठकर योजनाबद्ध तरीके से आस पड़ोसी के लोगों को इकट्ठा किया और परिवार वालों को बुलाकर उसके शव को नीचे उतरवाया और सुबह-सुबह ही जाकर उसका अंतिम संस्कार करने लगा, लेकिन किसी ने पुलिस को सूचना दे दी कि इस मामले में संदिग्ध परिस्थितियां सामने आ रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने चिता की आग को पानी डाल कर बुझाया और शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। उसने बताया कि लोगों के ताने सुनकर में काफी परेशान हो गया था ।

राजस्थान के बाद अब पंजाब कांग्रेस में कलह, अपने ही 2 सांसदों को निष्कासित करने की उठी मांग

पंजाब। कोरोना संकट के बीच पंजाब में एक और बड़ी त्रासदी के बाद कैप्टन सरकार हर तरफ से घिरी हुई है। जहरीली शराब कांड से अब तक लगभग 111 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में ये मामला अभी ठंडा होता नजर नहीं आ रहा। सियासत ने इसको और भुनाने का काम किया है। राज्य सरकार पर विपक्ष के साथ-साथ उनके खुद के नेताओं ने भी सवाल खड़े करने शुरू कर दिए है। पंजाब की राजनीति में गर्म मुद्दा बन चुकी ये त्रासदी अब किसी बड़ी उथल-पुथल की ओर इशारा कर रही है। जहरीली शराब मामले में राज्य सरकार की आलोचना को लेकर वीरवार को राज्यसभा सदस्यों प्रताप सिंह बाजवा तथा शमशेर सिंह दुलो को तत्काल कांग्रेस से निष्कासित करने की मांग की। मंत्रियों ने एक प्रेस बयान में सांसदों के आचरण को घोर अनुशासनहीनता बताया और कहा कि उनके लिए पार्टी का कोई महत्व नहीं बचा है। मंत्रियों ने कहा कि उन्हें बाहर निकालने की जरूरत है। पंजाब कांग्रेस के प्रमुख सुनील जाखड़ ने दो दिन पहले कहा था कि वह पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखेंगे कि उनके खिलाफ अनुशासनहीनता को लेकर सख्त कार्रवाई की जाए। मामला अब पंजाब की सियासत में तूल पकड़ता नजर आ रहा है। पंजाब में विधानसभा चुनाव में लगभग 2 साल का समय रह गया है। इससे पहले भी राजस्थान में कांग्रेस की स्थिति पर बहुत बवाल हो चुका है,अब पंजाब में भी यही हालत रहे तो चुनाव के समय कांग्रेस की परेशानी बढ़ सकती है। अब पंजाब में भी यही हालत रहे तो चुनाव के समय कांग्रेस की परेशानी बढ़ सकती है।

मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के तौर पर शपथ ली

श्रीनगर। पूर्व केंद्रीय मंत्री मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के नये उपराज्यपाल के तौर पर शपथ ग्रहण की। वह पहले नेता हैं, जिन्होंने केंद्र शासित प्रदेश का प्रभार संभाला है। जम्मू-कश्मीर की मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल ने राज भवन में उन्हें पद की शपथ दिलाई। सिन्हा को ग्रामीण इलाकों में लोगों से उनके जुड़ाव के लिए जाना जाता है। 61 वर्षीय सिन्हा ने पूर्व आईएएस अधिकारी गिरीश चंद्र मुर्मू की जगह ली है जिन्होंने बुधवार रात इस्तीफा दे दिया था। मुर्मू को बृहस्पतिवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) नियुक्त किया गया। शपथग्रहण कार्यक्रम में फारुक खान, बशीर खान समेत पूर्व उपराज्यपालों के सलाहकार रहे अन्य लोगों के साथ ही वरिष्ठ नौकरशाह एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे। राज्यसभा सदस्य नजीर अहमद लवाय, भाजपा से लोकसभा सदस्य जुगल किशोर शर्मा और जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के नेता गुलाम हसन मीर भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

इस झूलते हुए पेड़ को देख उलझन में पड़ गए आनंद महिंद्रा, पूछा एक सवाल

नेशनल डेस्क। मुंबई में पिछले कुछ दिनों से बारिश जमकर आतंक मचा रही है। यहां 46 साल बाद हुई भयंकर बारिश ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। बिजनसमैन आनंद महिंद्रा ने ऐसा ही एक वीडियो शेयर किया है, जिसे देखकर आप मुंबई के हालातों का अंदाजा लगा सकते हैं। आनंद महिंद्रा ने टविटर पर वीडियो साझा करते हुए लिखा कि मुंबई की बारिश के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, उनमें से यह सबसे खतरनाक है। उन्होंने आगे लिखा कि हमें यह तय करना होगा कि ताड़ का पेड़ खुशी से तांडव कर रहा है- तूफान का आनंद ले रहा है- या फिर प्रकृति गुस्से में डांस कर रही है। इस वीडियो में दिखाई दे रहा है तेज बारिश और हवा के चलते एक पेड़ इधर से उधर हो रहा है। आनंद महिंद्रा के इस पोस्ट पर लोगों की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। एक यूजर ने लिखा कि मैं कल्पना कर रहा हूं कि मैं पेड़ के ऊपरी हिस्से को पकड़े हुए हूं और उसके साथ झूल रहा हूं। आनंद महिंद्रा ने इसका जवाब देते हुए लिखा कि मुझे यह एटिट्यूड पसंद आया। आप जैसे लोगों के लिए जीवन हमेशा एक सुखद सवारी रहेगी।

केरल: भारी बारिश से इडुक्की में भूस्खलन- 5 की मौत व चाय बागान के 70 मजदूर फंसे, रेस्क्यू जारी

नेशनल डेस्क। केरल में भारी बारिश और बाढ़ के कारण इडुक्की जिले में भूस्खलन से 5 लोगों के मारे जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि भूस्खलन जिले के राजमला इलाके में हुआ। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि घटनास्थल पर पहुंचना मुश्किल है। वन अधिकारी और अन्य आपातकालीन सेवा के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में 70 से 80 लोग रहते हैं। वहीं घटना में 5 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि घटनास्थल पर मेडिकल टीम और 15 एंबुलेंस को रवाना किया गया है। गुरुवार को भारी बारिश के कारण इडुक्की जिले में एक अस्थायी पुल गिर गया था। इडुक्की जिले में मुथिरापुझा नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण पर्यटन के लोकप्रिय स्थल मुन्नार जैसे निचले इलाकों में भी बाढ़ का पानी देखा गया है। बता दें कि भारतीय मौसम विभाग ने इडुक्की, वायनाड और कोझीकोड जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग ने केरल में 5 से 9 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना जताई है। इडुक्की जिले के राजमाला के पेत्तिमुदी में मूसलाधार बारिश के कारण शुक्रवार सुबह भूस्खलन हुआ, जिसमें एक चाय बागान के कई मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण बिजली की लाइन प्रभावित होने से इलाके में संचार सेवाएं बाधित हैं। उन्होंने बताया कि कम से कम 70 लोगों के वहां फंसे होने की आशंका है। भूस्खलन के कारण करीब 10 मजदूरों के घर वहां धंस गए हैं। पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर मौजूद हैं और जिला प्रशासन ने अस्पतालों से भी हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा है।

दल बदलने वाले एंदल सिंह कंसाना का बड़ा बयान, कई कांग्रेसी एमएलए मेरे संपर्क में

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी का दौर जारी है। इसी बीच कांग्रेस का साथ छोड़ बीजेपी में शामिल हुए पीएचई मंत्री ऐंदल सिंह कंसाना का बड़ा बयान सामने आया है। एदंल सिंह कंसाना ने कहा है कि कई कांग्रेस के MLA मेरे संपर्क में हैं। हालांकि उन्होंने किसी का भी नाम बताने से इंकार कर दिया लेकिन कहा कि कांग्रेस के और भी विधायक बीजेपी के संपर्क में हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कोई अगर हमारे घर आना चाहे तो हम पूरे सम्मान से उसे स्वीकार करेंगे। शुक्रवार को पीएचई मंत्री ऐंदल सिंह कंसाना ने कहा कि सच कहने से कांग्रेस के विधायकों पर दबाव पड़ेगा। कांग्रेस के और भी कई विधायक बीजेपी के संपर्क में है। हालांकि उन्होंने नाम बताने से इंकार किया है। वहीं कांग्रेस द्वारा बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग पर इंदल सिंह कंसाना ने कहा कि चाहे जैसे चुनाव करा लो फर्क वाही पड़ेगा जनता वही है, कांग्रेस जनता का अपमान कर रही है। कांग्रेस के शुद्धिकरण अभियान पर उन्होंने कहा कि पहले ही बीजेपी में शुद्धिकरण हो गया है, 15 महीने से कहां गए थे कांग्रेसी और अब जनता इनका शुद्धिकरण करेगी। कमलनाथ जी को प्रदेश की जनता के लिए जनादेश मिला था नाकि छिंदवाड़ा के लिए। सिर्फ कमलनाथ जी छिंदवाड़ा के मुख्यमंत्री बन के रह गए..अब वो प्रदेश के मुख्यमंत्री नही रहे है। वहीं कांग्रेस द्वारा बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग पर इंदल सिंह कंसाना ने कहा कि चाहे जैसे चुनाव करा लो फर्क नहीं पड़ेगा जनता वही है। ऐसी मांग करके सज्जन सिंह वर्मा जनता का उपमान कर रहे है।

राम मंदिर : पीएम मोदी पर सवाल उठाने वाले ओवैसी को शिवसेना ने सिखाया सबक

नेशनल डेस्क। राम मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने पर सवाल उठाने को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी विवादों में घिर गए हैं। अब शिवसेना ने पीएम मोदी का बचाव करते हुए ओवैसी को जमकर आड़े हाथों लिया। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में लिखा कि ओवैसी कहते हैं कि पीएम ने धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में अपने रास्ते का उल्लंघन किया है। लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। क्या ओवैसी धर्मनिरपेक्ष हैं? पार्टी ने कहा कि उनके जैसे राजनेता यह स्वीकार नहीं कर सकता कि बाबर वह था जिसने अयोध्या में राम मंदिर को ध्वस्त किया था। ओवैसी कहते हैं 'बाबर जिंदा है। जिंदा रहेगा लेकिन कह देते हैं कि बाबर अब हिंदुस्थान तो क्या पूरी दुनिया में कहीं जिंदा नहीं है। सामना में लिखा गया कि बाबर ने राम जन्मभूमि का विध्वंस किया और वहां मस्जिद बनाई। इस बात को ओवैसी जैसे नेता स्वीकार क्यों नहीं करते? शिवसेना ने पाकिस्तान के मंत्री शेख अहमद का हवाला देते हुए कहा कि वह और ओवैसी एक ही तर्ज पर बोल रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि भारत ने अपनी धर्मनिरपेक्षता खो दी है। पार्टी ने कहा कि ओवैसी बोलते हैं कि हिंदुस्थान एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है।

दिल्ली: 12 साल की मासूम के साथ निर्भया जैसी दरिंदगी, घायल होने पर भी लड़ती रही...शिकंजे में हैवान

नेशनल डेस्क। यौन उत्पीड़न और शारीरिक प्रताड़ना के बाद दो रात पहले पड़ोसियों को खून से लथपथ मिली 12 साल की बच्ची आंतों और सिर में लगी गंभीर चोटों के कारण अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। बच्ची के साथ हुई क्रूरता को लेकर प्रदर्शन, नेताओं, कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों की सख्त नाराजगी के बाद अंततः दिल्ली पुलिस ने गुरुवार रात एक व्यक्ति को हत्या के प्रयास और यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हुई है और उसका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 33 वर्षीय कृष्ण के रूप में हुई है। संयुक्त पुलिस आयुक्त शालिनी सिंह ने कहा कि मंगलवार को 12 साल की बच्ची का उत्पीड़न हुआ। पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। 20 से ज्यादा टीमें बनाई गईं। टीमों ने 100 से ज्यादा कैमरों के फुटेज खंगाले। अंततः आरोपी गुरुवार को गिरफ्तार हुआ। सिंह ने बताया कि कृष्ण पर हत्या, हत्या के प्रयास, आदि सहित चार मामले दर्ज हैं। वहां के एक वरिष्ठ डॉक्टर ने कहा कि बच्ची को पीटा गया और धारदार हथियार से उसपर वार किए गए। उसकी हालत नाजुक है और वह ऑक्सीजन के सहारे है। उन्होंने कहा कि उसे सिर में बहुत चोट आयी है और उसकी हालत नाजुक है। उसकी मलाशय और आंतें बुरी तरह जख्मी थीं, शायद कोई चीज उनके अंदर डाली गई थी। इसी कारण उसे तुरंत इलाज की जरूरत थी और हमने उसके यहां आते ही सर्जरी की। पुलिस ने बताया कि पश्चिम विहार निवासी इस बच्ची के माता-पिता एक फैक्टरी में मजदूरी करते हैं। वह अपने माता-पिता और बहन के साथ रहती थी। घटना के वक्त वह घर में अकेली थी और मंगलवार को अपने पड़ोसियों को खून में लथपथ मिली थी। बच्ची को पहले संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन बाद में उसे स्थानांतरित कर दिया गया। बच्ची की गंभीर हालत और निर्भया कांड की भयावहता को याद करते हुए डॉक्टरों ने बच्ची के अस्पताल पहुंचते ही तुरंत उसकी सर्जरी की। वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया, "सर्जरी के दौरान उसके मलाशय और आंतों को सिला गया, उसके शरीर के अन्य जगहों पर टांके लगाए गए। उसे न्यूरोसर्जिकल मदद की भी जरूरत पड़ सकती है। फिलहाल उसे कुछ समझ नहीं आ रहा है, हम उसकी हालत पर चौबीसों घंटे नजर रखे हुए हैं।' डॉक्टर्स और परिवार से मिलकर बच्ची का हाल जाना। डाक्टर्स ने बताया कि अगले 48 घंटे अहम है। मैंने पुलिस कमिश्नर से भी बात की। इस जघन्य वारदात करने वाले अपराधियों को सख्त से सख्त सज़ा दिलवाएँगे। दिल्ली मुख्यमंत्री गुरुवार शाम को बच्ची को देखने गए। अस्पताल से निकलने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बच्ची के साथ जो क्रूरता हुई है, उसने "आत्मा को झकझोर दिया है, सरकार सबसे अच्छे वकील नियुक्त करके सुनिश्चित करेगी कि दोषी को कड़ी सजा मिले। उन्होंने कहा कि बच्ची पर इस "बर्बर हमले के कारण उसे जो चोटें आई हैं उन्हें बताना संभव नहीं है। उन्होंने बच्ची के परिवार को 10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा, "उसके शरीर के अंदरुनी हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं, उनके बारे में कहना मुश्किल है। वह फिलहाल बेहोश है, और डॉक्टर बता रहे थे कि उसकी हालत बहुत गंभीर है।

चीन को घेरने के लिए भारत का साथ देगा अमेरिका! जयशंकर-पोम्पियो के बीच हुई खास बातचीत

इंटरनेशनल डेस्क। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष माइक पोम्पियो ने फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र समेत अंतरराष्ट्रीय चिंता के मामलों के संबंध में द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय सहयोग को लेकर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता कैले ब्राउन ने बताया कि दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत और विश्वभर में समृद्धि एवं शांति कायम रखने और सुरक्षा मजबूत करने में भारत एवं अमेरिका के संबंधों की महत्ता की बात दोहराई। भारत और अमेरिका ने संसाधन समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर बातचीत की। इस क्षेत्र में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इस मामले पर 2018 में गोवा में हुई भारत-अमेरिका समुद्री सुरक्षा वार्ता के तीसरे दौर में भी विस्तार से बातचीत हुई थी। अमेरिका रणनीतिक रूप से अहम भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत को बड़ी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। ब्राउन ने कहा कि दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों में निकट सहयोग जारी रखने एवं इस वर्ष बाद में अमेरिका भारत 'टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता और चतुष्पक्षीय वार्ता को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने हिंद-प्रशांत में अहम समुद्री मार्गों को चीन के प्रभाव से मुक्त करने के लिए नई रणनीति विकसित करने के मकसद से वार्ता सितंबर 2018 में नयी दिल्ली में हुई थी। ब्राउन ने बताया कि फोन पर बातचीत के दौरान जयशंकर और पोम्पियो ने कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने, अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया को समर्थन देने और क्षेत्र को अस्थिर करने वाले हालिया कदमों समेत अंतरराष्ट्रीय चिंता के मामलों पर जारी द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय सहयोग पर चर्चा की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनियाभर में कोरोना संकट गहराया, अबतक 1.92 करोड़ संक्रमित, पिछले 24 घंटों में 6240 लोगों की मौत

बीजिंग।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है और इसके कारण अब तक 1.92 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा 713,813 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। बीते दिन दुनियाभर में 2.71 लाख नए मामले आए, जबकि 6240 लोगों की मौत हुई। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे, मेक्सिको तीसरे और ब्रिटेन चौथे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में पांचवें स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में 19,021,922 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 713,813 लोगों की मृत्यु हुई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 4,882,270 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं तथा 160,091 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 2,912,212 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 98,493 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों में 49,769 लोग स्वस्थ हुए तथा 886 की मृत्यु हुई। इसके साथ ही देश में कोरोना से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 20,27,074 तथा मृतकों का आंकड़ा 41,585 हो गया है। देश में इस समय कोरोना के 60,7384 सक्रिय मामले हैं। वहीं 1378105 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। रूस कोविड-19 संक्रमित मामलों में चौथे नंबर पर है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 870,187 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 14,579 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण कोरोना से संक्रमित होने के मामले में दक्षिण अफ्रीका पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इससे अब तक 538,184 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 9,604 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं मेक्सिको में कोरोना से अब तक 462,690 लोग संक्रमित हुए हैं तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 50,517 हो गयी हैं। पेरू में भी लगातार हालात खराब होते जा रहे है। यहां संक्रमितों की संख्या 447,624 हो गई तथा 20,228 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 से संक्रमित होने के मामले चिली अब आठवें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इससे अब तक 366,671 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 9,889 है। वहीं कोलंबिया में इससे अब तक 357,702 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 11,939 लोगों की मृत्यु हुई है। ईरान संक्रमण के मामले में आठवें नंबर पर है। यहां अब तक इस महामारी से 320,117 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 17,976 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। वहीं स्पेन में कोरोना संक्रमितों की संख्या 309,855 है जबकि 28,500 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में संक्रमितों की संख्या 309,796 हो गई है और 46,498 लोगों की इसके कारण मौत हुई है। सऊदी अरब में कोरोना संक्रमण से अब तक 284,226 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 3,055 लोगों की मौत हो चुकी है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 281,863 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 6,035 लोगों की मौत हो चुकी है तथा बंगलादेश में 249,651 लोग कोरोना की चपेट में आए हैं जबकि 3306 लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में इस जानलेवा विषाणु से 249,204 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 35,187 लोगों की मौत हुई है। तुर्की में कोरोना संक्रमितों की संख्या 237,265 हो गयी है और 5,798 लोगों की मौत हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका का आरोप- दुनिया में आतंकवाद का नंबर एक प्रायोजक है ईरान

इंटरनेशनल डेस्क। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत कैली क्राफ्ट ने ईरान को ''दुनिया में आतंकवाद का नंबर एक प्रायोजक बताया और रूस तथा चीन को आगाह किया कि अगर वे ईरान पर संयुक्त राष्ट्र हथियार प्रतिबंध लगाने वाले प्रस्ताव को बाधित करेंगे तो वे भी आतंकवाद के सह-प्रायोजक बन जाएंगे। राजदूत कैली क्राफ्ट ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उम्मीद है कि रूस और चीन आतंकवाद के नंबर एक प्रायोजक देश के सह-प्रायोजक नहीं बनेंगे और पश्चिम एशिया में शांति की महत्ता को पहचानेंगे। राजदूत ने कहा कि ईरान का समर्थन करने पर रूस और चीन के बीच भागीदारी बहुत स्पष्ट है। वे अपनी सीमाओं के बाहर केवल अराजकता, संघर्ष और अफरातफरी को बढ़ावा देने वाले हैं इसलिए हमें उन्हें अलग-थलग करना होगा। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने बुधवार को एलान किया था कि उनका देश ईरान पर अनिश्चितकाल के लिए हथियार प्रतिबंध लगाने वाले प्रस्ताव पर अगले हफ्ते मतदान कराने की सुरक्षा परिषद से अपील करेगा। ईरान पर हथियार प्रतिबंध की अवधि 18 अक्टूबर को समाप्त हो रही है। ईरान में अमेरिका के शीर्ष राजदूत ने इस घोषणा के कुछ घंटों बाद पद से इस्तीफा दे दिया। रूस और चीन के विदेश मंत्रियों ने गत महीने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस और सुरक्षा परिषद को अलग-अलग पत्र लिखकर अमेरिका की कोशिश की आलोचना की और संकेत दिया कि अगर इस प्रस्ताव को 15 सदस्यीय परिषद में न्यूनतम नौ मत मिलते हैं तो वे इस पर वीटो कर देंगे।

वंदे भारत मिशन के तहत विदेश से वापस लाए गए साढ़े नौ लाख भारतीय

नई दिल्ली। भारत सरकार के 'वंदे भारत अभियान के तहत लगभग साढ़े नौ लाख भारतीयों को विदेश से वापस लाया गया। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि विदेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के उद्देश्य से चलाया गया यह सबसे बड़ा अभियान है। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर सात मई को इस अभियान की शुरुआत की गई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने डिजिटल माध्यम से आयोजित प्रेस वार्ता में कहा, ''वंदे भारत अभियान में हम दस लाख के आंकड़े को छूने वाले हैं। फंसे हुए भारतीयों को वापस लाने के लिए चलाया गया यह सबसे बड़ा अभियान है। उन्होंने कहा, ''अब तक इस अभियान के तहत लगभग साढ़े नौ लाख भारतीय घर आ चुके हैं। वर्तमान में हम अभियान के पांचवें चरण में हैं। यह अभियान एक अगस्त को शुरू हुआ था। श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय दूतावासों से आई मांग के आधार पर 60 और उड़ानों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही इस महीने उड़ानों की संख्या बढ़कर 746 हो गई। उन्होंने कहा कि इस चरण में विदेश में फंसे 1,30,000 से अधिक भारतीयों को वापस लाने का लक्ष्य रखा गया है।

ओआईसी कश्मीर पर विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाने के पक्ष में नहीं, पाकिस्तान परेशान

इस्लामाबाद। कश्मीर पर विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित करने के लिए पाकिस्तान द्वारा बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) ने इस तरह के किसी सम्मेलन के प्रति अनिच्छा दिखाई है। इससे परेशान पाकिस्तान ने धमकी दी है कि वह इस मुद्दे पर अलग बैठक बुला सकता है। भारत द्वारा पिछले साल अगस्त में जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद पाकिस्तान विदेश मंत्रियों कीबैठक के लिए 57 सदस्यीय संगठन पर जोर देता रहा है। ओआईसी संयुक्त राष्ट्र के बाद दूसरा सबसे बड़ा अंतर सरकारी निकाय है। बैठक के लिए 57 सदस्यीय संगठन पर जोर देता रहा है। ओआईसी संयुक्त राष्ट्र के बाद दूसरा सबसे बड़ा अंतर सरकारी निकाय है। पाकिस्तान के अनुरोध पर अब तक ओआईसी की ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई है। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने बुधवार को एआरवाई न्यूज से एक कार्यक्रम में कहा, मैं एक बार फिर से ओआईसी से अनुरोध कर रहा हूं कि विदेश मंत्रियों की परिषद की एक बैठक हमारी उम्मीद है। उन्होंने कहा, अगर आप इसे नहीं बुला सकते हैं, तो मैं प्रधानमंत्री इमरान खान से उन इस्लामिक देशों की बैठक बुलाने के लिए कहने को मजबूर हो जाऊंगा जो कश्मीर मुद्दे पर हमारे साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।''

लेबनान में घातक विस्फोट के बाद अमेरिकी सहायता पहुंचनी शुरू

वाशिंगटन।

अमेरिका ने लेबनान में बड़े पैमाने पर हुए घातक विस्फोट के बाद वहां सहायता पहुंचानी शुरू कर दी है और यह उन दीर्घकालिक चिंताओं के बीच हो रहा है कि अधिकारी यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि सहायता सामग्रियां जरूरतमंदों तक पहुंचे न कि ईरान समर्थित हिज्बुल्ला तक। अमेरिकी सैन्य मध्य कमान से 11 पैलेट भोजन, पानी और चिकित्सीय आपूर्ति लेकर पहला सी-17 परिवहन विमान बृहस्पतिवार को कतर में उतरा और दो अन्य के अगले 24 घंटों में वहां पहुंचने की उम्मीद है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन ने आपदा सहायता के रूप में कम से कम 1.5 करोड़ डॉलर उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। अधिकारियों को औपचारिक घोषणा से पहले मामले पर चर्चा करने की इजाजत नहीं थी इसलिए उन्होंने नाम उजागर न करने की शर्त पर यह जानकारी दी। लेकिन सहायता के प्रावधान को सबसे अधिक जटिल हिज्बुल्ला की भूमिका बनाती है जो वह लेबनानी सरकार और लेबनान समाज के ताने-बाने में निभाता है। एमोनियम नाइट्रेट का 2,750 टन के भंडार में भयंकर विस्फोट से राजधानी शहर दहल गया था। यह रसायन 2013 में मालवाहक जहाज से जब्त किए जाने के बाद से एक कारखाने में पड़ा हुआ था। इस धमाके में 130 से अधिक लोगों की मौत हो गई, हजारों घायल हो गए और कई मील दूर तक इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों का अनुमान है कि दो दिन बाद तक करीब तीन लाख लोग अपने घरों को वापस नहीं लौट सके हैं। क्षतिग्रस्त हुए अस्पताल अब भी घायलों का इलाज करने में जूझ रहे हैं ।

श्रीलंका चुनावः राजपक्षे की पार्टी को पूर्ण बहुमत, मोदी ने दी बधाई

कोलंबो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अपने श्रीलंकाई समकक्ष महिंदा राजपक्षे को उनकी पार्टी के संसदीय चुनाव में शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। श्रीलंका के प्रभावशाली राजपक्षे परिवार द्वारा नियंत्रित श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (एसएलपीपी) बृहस्पतिवार को घोषित किए गए शुरुआती परिणामों के अनुसार संसदीय चुनाव में भारी जीत की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मोदी ने श्रीलंका की सरकार और वहां की चुनावी संस्थाओं की तारीफ की क्योंकि कोविड-19 महामारी की दिक्कतों के बावजूद वहां प्रभावी तरीके से चुनाव संपन्न कराए गए। उन्होंने चुनावों में प्रभावी भागीदारी के लिए श्रीलंका की जनता की भी तारीफ की और कहा कि यह दोनों देशों के मजबूत लोकतांत्रिक मानकों के अनुकूल है। बयान के अनुसार मोदी ने कहा कि आने वाले परिणाम में एसएलपीपी शानदार प्रदर्शन की ओर बढ़ रहा है और यह उसकी जीत की ओर साफ इशारा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इसके लिए राजपक्षे को बधाई और शुभकामनाएं दी। मोदी ने ट्वीट कर कहा, ''आपसे बात करना सुखद रहा। एक बार फिर आपको बहुत सारी शुभकमनाएं। हम साथ मिलकर द्विपक्षीय रिश्ते को आगे बढ़ायेंगे और अपने रिश्तों को नई ऊंचाई पर पहुंचाएंगे। सिंहली बहुल दक्षिण क्षेत्र से अब तक पांच परिणामों की घोषणा की गयी है। इनमें एसएलपीपी को 60 प्रतिशत से अधिक मत मिले हैं। एसएलपीपी की निकटतम प्रतिद्वंद्वी एक नयी पार्टी है जिसकी स्थापना सजीथ प्रेमदासा ने की है। प्रेमदासा ने अपनी मूल पार्टी यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) से अलग होकर नयी पार्टी बनायी है। चुनाव परिणामों के अनुसार यूएनपी चौथे स्थान पर है।

नाइजीरिया में आतंकवादी हमले में 20 लोगों की मौत

अबुजा। उत्तरी नाइजीरिया के कडूना प्रांत में गुरुवार को एक अज्ञात आतंकवादी संगठन ने तीन बस्तियों को निशाना बनाकर हमला कर दिया जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय प्रशासन ने यह जानकारी दी। बंदूकधारियों ने जांगो कटफ क्षेत्र में कुरमिन मसारा, आपिया शयीम और टकमाबई समुदाय के लोगों को निशाना बनाकर हमला किया। जांगो कटफ क्षेत्र के अध्यक्ष इलियास मांजा ने स्थानीय मीडिया को बताया कि गुरुवार तड़के आतंकवादी बस्तियों में घुस गए और लोगों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले के पीछे फलूनी जनजातीय समूह से संबंधित आतंकवादी संगठन को जिम्मेदार माना जा रहा है। इस हमले में कई घरों को भारी नुकसान पहुंचा है जिसके कारण लोगों को अन्य स्थानों में शरण लेनी पड़ी है। गौरतलब है कि उत्तरी नाइजीरिया में फलूनी चरवाहों और ग्रामीणों के बीच आम तौर पर हिंसक संघर्ष होते रहते हैं। हाल के वर्षों में इन संघर्षों में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्री बोले- ट्रायल खत्म, 10 अगस्त तक आ सकती है कोरोना पर रूसी वैक्सीन

इंटरनेशनल डेस्क।

रूस में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के 5,267 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 8,71,894 हो गई है लेकिन राहत की बात यह है कि मरीजों के स्वस्थ होने की दर 77 फीसदी के पार पहुंच गई है। इसी बीच जो सबसे अच्छी खबर है वो यह कि जल्द ही कोरोना पर रूसी वैक्सीन बाजार में आने वाली है। रूस के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भरोसेमंद वैक्सीन का ट्रायल पूरा हो चुका है। यह वही वैक्सीन है जिसे गामालेया इंस्टीट्यूट ने बनाया है। इसके अलावा दो और कंपनियों ने क्लीनिकल ट्रायल करने की अनुमति मांगी है। गामालेया इंस्टीट्यूट की वैक्सीन को लेकर दावा किया गया था कि यह वैक्सीन 10 अगस्त या उससे पहले बाजार में आ जाएगी। स्पुतनिक न्यूज डॉट कॉम के मुताबिक रूस के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराश्को ने कहा कि गामालेया की वैक्सीन का ट्रायल पूरा हो चुका है और अब उसके वैज्ञानिकों पर यह निर्भर करता है कि वो वैक्सीन को कब बाजार में लाते हैं। वहीं गामालेया इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने दावा किया कि वे इस वैक्सीन को आम जनता के उपयोग के लिए 10 अगस्त तक मंजूरी दिलवा लेंगे लेकिन सबसे पहले फ्रंटलाइन हेल्थवर्कर्स को दी जाएगी। रूस के सोवरन वेल्थ फंड के प्रमुख किरिल मित्रिव ने कहा कि यह ऐतिहासिक मौका है, जैसे हमने अंतरिक्ष में पहला सैटेलाइट

स्पुतनिक छोड़ा था कुछ वैसा ही मौका है। किरिल मित्रिव ने कहा कि अमेरिकी जैसे स्पुतनिक के बारे में सुनकर हैरान रह गए थे, वैसे ही इस वैक्सीन के लॉन्च होने पर वे एक बार फिर से हैरान होने वाले हैं।

ट्रम्प ने टिकटॉक, वीचैट पर प्रतिबंध लगाने के कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टिकटॉक और वीचैट जैसी लोकप्रिय चीनी ऐप्लीकेशन पर प्रतिबंध लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा एवं देश की अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बताया। ट्रम्प ने बृहस्पतिवार को दो अलग-अलग कार्यकारी आदेशों में कहा कि प्रतिबंध 45 दिन में लागू होगा। उल्लेखनीय है कि भारत टिकटॉक और वीचैट पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला देश है। भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए यह प्रतिबंध लगाया था। भारत ने 106 चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत के इस कदम का ट्रम्प प्रशासन और अमेरिकी सांसदों ने स्वागत किया था।ट्रम्प ने कार्यकारी आदेश में कहा, ''अमेरिका को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए टिकटॉक के मालिकों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करनी चाहिए।'' उन्होंने एक अन्य कार्यकारी आदेश में कहा कि अमेरिका को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए वीचैट के खिलाफ भी ''आक्रामक कार्रवाई'' करनी चाहिए। ट्रम्प ने कांग्रेस को भेजी शासकीय सूचना में कहा कि चीन की कंपनियों द्वारा विकसित एवं उनके मालिकाना हक वाली मोबाइल ऐप का अमेरिका में प्रसार राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति एवं देश की अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि इन्हीं खतरों के कारण ऑस्ट्रेलिया और भारत समेत अन्य देशों ने टिकटॉक एवं वीचैट पर प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, ''इस समय, खासकर एक मोबाइल ऐप टिकटॉक से निपटने के लिए आदेश दिया गया है।'' ट्रम्प ने कहा कि चीन की कंपनी बाइटडांस लिमिटेड के मालिकाना हक वाली वीडियो साझा करने वाली मोबाइल ऐप्लीकेशन टिकटॉक अपने उपयोगकर्ताओं की काफी जानकारी हासिल कर लेती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस डेटा संग्रह से 'चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी' की अमेरिकियों की निजी जानकारी तक पहुंच होने का खतरा पैदा होता है, जिससे संघीय कर्मियों एवं ठेकेदारों पर नजर रखने में चीन सक्षम हो सकता है, उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए निजी सूचना एकत्र कर सकता है और कॉरपोरेट जासूसी कर सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि टिकटॉक उस सामग्री को भी कथित रूप से सेंसर करता है, जिसे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी राजनीतिक रूप से संवेदनशील समझती है, जैसे हांगकांग में प्रदर्शनों संबंधी सामग्री और उइगर एवं अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों के साथ चीन के व्यवहार से जुड़ी सामग्री को हटा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि टिकटॉक का इस्तेमाल चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को लाभ पहुंचाने वाली दुष्प्रचार मुहिमों के लिए भी किया जा सकता है। ट्रम्प ने कहा कि इस खतरे से निपटने के लिए इस आदेश के तहत आज से 45 दिन बाद इस ऐप्लीकेशन पर प्रतिबंध लागू हो जाएगा।

45 दिनों तक टिक-टॉक को अमेरिका से समेटना होगा कारोबार, ट्रम्प ने लगाया प्रतिबंध

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर चीन के विवादित मोबाइल ऐप टिक-टॉक की कंपनी बाइटडांस से लेन-देन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह प्रतिबंध कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए जाने के 45 दिनों के बाद से लागू होगा। ट्रम्प ने वीरवार देर रात इस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यकारी आदेश के मुताबिक अमेरिका में चीन की बाइटडांस कंपनी अथवा इससे जुड़ी अन्य कंपनियों के साथ किसी भी प्रकार के लेन-देन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अमेरिका में अब कोई भी व्यक्ति अथवा कंपनी बाइटडांस के साथ कोई लेन-देन नहीं कर पायेगी। कार्यकारी आदेश के मुताबिक चीन के मोबाइल ऐप के अमेरिका में प्रसार से देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और अर्थव्यवस्था को खतरा पैदा होता है। इसलिए ऐसे मोबाइल ऐप विशेष रूप से टिक-टॉक पर कार्रवाई करना आवश्यक है। यह कार्यकारी आदेश हस्ताक्षर होने के 45 दिनों बाद से लागू होगा। चीनी कंपनी बाइटडांस के इस ऐप पर लाखों अमेरिकी नागरिकों की निजी जानकारी चुराने का आरोप है जिसकी ट्रम्प प्रशासन जांच कर रहा है। गौरतलब है कि अमेरिकी नौसेना ने निजी सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए गत वर्ष अपने कर्मचारियों से सभी सरकारी उपकरणों से इस ऐप को हटाने का आग्रह किया था। टिक-टॉक ने इन आरोपों से इनकार करते हुए पहले कई बार कहा है कि वह उपयोगकर्ताओं की जानकारी चीन नहीं भेजता है। टिक-टॉक एक सोशल मीडिया ऐप है जिस पर उपयोगकर्ताओं की जानकारी चुराने का आरोप है।

अब भगवान को लेकर बाइडेन से भिड़ गए ट्रंप, कर डाले निजी हमले

इंटनेशनल डेस्क।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नवंबर में होने वाले वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार एवं अपने प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन पर ओहायो में अपनी चुनाव प्रचार मुहिम के दौरान निजी हमला किया और ईश्वर पर बाइडेन की आस्था को लेकर सवाल उठाए। ट्रम्प ने बाइडेन के बारे में कहा कि वह कट्टरपंथी वाम एजेंडे का पालन कर रहे हैं, अपनी बंदूकों को फेंक दीजिए, अपने दूसरे संशोधन को नष्ट कर दीजिए, कोई धर्म नहीं, बाइबल को नुकसान पहुंचाओ, ईश्वर को नुकसान पहुंचाओ। ट्रम्प ने कहा कि बाइडेन ईश्वर के खिलाफ हैं, बंदूकों के खिलाफ हैं। वह हमारी ऊर्जा के खिलाफ हैं। मुझे नहीं लगता कि वह ओहायो में अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। बाइडेन ने ट्रम्प की टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मेरी आस्था पर हमला करना राष्ट्रपति ट्रम्प के लिए शर्म की बात है। उन्होंने कहा कि उनकी आस्था उनके जीवन का आधार रही है और उसने दुख के समय में उन्हें सुकून दिया है। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि दूसरों को परेशान करने वाले अन्य असुरक्षित लोगों की तरह राष्ट्रपति ट्रम्प का यह बयान किसी ओर के बारे में बताने के बजाए यह दर्शाता है कि वह स्वयं कैसे व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि ये शब्द दर्शाते हैं ट्रम्प ने ओहायो में प्रचार मुहिम के दौरान व्यापार को प्रोत्साहित करने के उनके प्रयासों का भी जिक्र किया। यह व्यक्ति राजनीतिक लाभ के लिए कितना भी नीचे गिर सकता है। ट्रम्प ने ओहायो में प्रचार मुहिम के दौरान व्यापार को प्रोत्साहित करने के उनके प्रयासों का भी जिक्र किया।

बेरूत विस्फोटः 5 भारतीय भी जख्मी, जर्मन दूत समेत अब तक 149 लोगों ने तोड़ा दम

इंटरनेशनल डेस्क।

लेबनान की राजधानी बेरूत के पोत पर हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 149 हो गई है। वहीं इस धमाके में जर्मनी के दूत की भी मौत हो गई है। जर्मन विदेश मंत्री हेइको मास ने कहा कि विदेश मंत्रालय में काम कर रही एक महिला की मौत हो गई है। मृतक महिला धमाके वाली जगह पर स्थित अपार्टमेंट में रहती थी, यह पहली जर्मन महिला है, जिसकी मौत बेरूत बंदरगाह पर हुए विनाशकारी धमाके में हुई। बेरूत में हुए घातक विस्फोट में पांच भारतीयों को मामूली चोटें आई हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि भारत ने लेबनान की सरकार से विस्फोट के कारण हुए नुकसान से संबंधित जानकारी मांगी है जिसके आधार पर देश उसे सहायता उपलब्ध कराएगा। श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे दूतावास ने एक ट्वीट किया था। भारतीय समुदाय के किसी भी व्यक्ति की मौत की सूचना नहीं है। 5 लोगों को मामूली चोटें आने की सूचना मिली है। लेबनान के ओरियंट ली-जॉर नामक समाचार पत्र ने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट में जानकारी दी कि धमाके से अब तक 149 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में इससे पहले मृतकों की संख्या 137 बताई जा रही थी। लेबनान की राजधानी बेरूत के पोत पर मंगलवार शाम को हुए भीषण विस्फोट के कारण करीब आधा

शहर बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। विस्फोट के कारण 5000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। लेबनान के अधिकारियों ने कहा है कि पोत पर यह भीषण धमाका 2750 टन अमोनियम नाइट्रेट के कारण हुआ था।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत टीआरबी जवान से सुरत सहारा दरवाजा ओवरब्रिज के नीचे खड़े जवानों का हैं, जो

(1) संकट के समय, अवसर को ढूंढ रहे सूरत शहर के TRB भैया,
(2) गाड़ीयों के पेपर चेकिंग करते हुए
(3) क्या इस पर किसी प्रकार की कार्यवाही करेगे अधिकारी ?
(4) कानून का पालन करना क्या सिर्फ जनता के लिये TRB के लिए नही
(5) बड़े अधिकारी के आदेश के बावजूद विपरीत काम करते TRB के जवान
(6) इतनी हिम्मत आती कहां से है क्या उच्च अधिकारी की भूमिका है
(7) जानकारी देने के बाद अधिकारी जानकरी देने वाले का न तो फ़ोन उठा हैं न ही कोई जवाब देते हैं ?

कोरोना रेपिड टेस्ट मुफ्त होने के बावजूद लोगों से वसूले जा रहे हैं 450 रुपए

सूरत , शहर में कोरोना संक्रमण बढ़ने से सूरत महानगर पा. लिका ने धन्वतरी रथ पर रेपिड टेस्ट शुरू किया हैं। रेपिड टेस्ट मुफ्त होने के बावजूद लोगों से रु. 450 वसूले जा रहे हैं और बाकायदा इसकी रशीद भी दी जा रही हैं।

सवाल यह है कि जब रेपिड टेस्ट फ्री है तो उसके लिए फीस क्यों ली जा रही है ? अहमदाबाद के बाद सूरत में कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

इस पर काबू पाने के लिए सूरत महानगर पालिका के धन्वतरी रथ शुरू कर रेपिड टेस्ट किए जा रहे हैं। ले. किन टेस्ट के लिए प्रति व्यक्ति से रु. 450 की वसूली की जा रही है।

मुफ्त टेस्ट होने के बावजूद महानगर पालि. का के कर्मचारी लोगों से 450 की वसूली कर इसकी रशीद भी दे रहे हैंद्य सूरत के वराछा क्षेत्र में रेपिड टेस्ट के दौरान लोगों से रु. 450 वसूले गए, जिसे लेकर लोग महानगर पालिका अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग कर रहे हैं।

बड़ा सवाल यह है कि महानगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारियों को क्या इसकी जानकारी नहीं है ?

मुफ्त टेस्ट होने के बावजूद रुपए वसूली क्यों ? यदि मनपा. कर्मी ही रेपिड टेस्ट की फीस वसूलेंगे तो लोग खासकर गरीब व्यक्ति कहां जाएगा ? क्या ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ महानगर पालिका कार्यवाही करेगी ?

शादी की लालच देकर नाबालिग से दुष्कर्म,पुलिस की जांच शुरू

अहमदाबाद, शहर के वाडज क्षेत्र में रहनेवाली एक नाबालिग लड़की को उसी के साथ काम करने वाले युवक ने शादी की लालच देकर दुष्कर्म किया। बाद में तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर युवक उसके साथ दुष्कर्म करने लगाद्य तंग आकर पीड़िता ने वाडज पुलिस थाने में युवक के खिलाफ रपट दर्ज करवा दी,जिसके आध ाार पर पुलिस ने जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के नवा वाडज में 17 वर्षीय लड़की अपने पांच भाई-बहन और माता-पिता के साथ रहती है। ज्यादा पढ़ाई नहीं की होने के कारण उसे नौकरी नहीं मिलती थी। पड़ौस में रहनेवाली महिला ने लड़की को शहर के सोला क्षेत्र में नौकरी पर लगवा दिया। नौकरी मिलने के बाद लड़की ऑटो रिक्शा में अपने कार्यस्थल पर आने-जाने लगी। उस दौरान उसके साथ काम करने वाले युवक ने कहा कि वह उसे रोज घर ले आएगा और छोड़ देगा। रिक्शा किराया बचाने की लालच में लड़की युवक की मोटर साइकिल पर रोज आने-जाने लगी। नियमित आवागमन के दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब और प्यार हो गया। एक दिन युवक ने लड़की को शादी की लालच दी और मेहमदाबाद की होटल में ले गया।जहां युवक ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया और उसके बाद दुष्कर्म का सिलसिला शुरू हो गयाद्य लड़की के शारी. रिक संबंध बनाने से इंकार करने पर युवक उसकी तस्वीरें वायरल करने की धमकी देताद्य एक दिन युवक ने तस्वीर और वीडियो लड़की के किसी रिश्तेदार को भेज दीं। युवक से तंग आकर पीड़ित लड़की वाडज पुलिस थाने में युवक के खिलाफ रपट दर्ज करवा

गुजरात सरकार ने अगस्त में आनेवाले त्यौहारों पर लगाया प्रतिबंध

अहमदाबाद, गुजरात सरकार ने अगस्त महीने में आनेवाले सभी प्रकार के धार्मिक त्यौहारों को सार्वजनिक रूप से मनाने पर प्रतिबंध लगा दिया हैं।

गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल शासन के चार पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि आगामी सभी धार्मिक त्यौहारों को लेकर उन्हें विभिन्न संगठनों की ओर से पेशकश की गई थी और त्यौहारों को सार्वजनिक रूप से मनाए जाने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए गुजरात सरकार ने अगस्त में आनेवाले सभी त्यौहारों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। जाडेजा ने लोगों से अपील की है कि कोई भी त्यौहार सार्वजनिक तौर पर मनाने से बचें।

उन्होंने कहा कि आगामी जन्माष्टमी, पर्युषण पर्व, सावन का मेला, तरणेतर का मेला, गणेशोत्सव, रामापीर का मेला, भादौ पूर्णिमा का मेला समेत पदयात्रा और उनकी सेवा में सेवा केम्पो के अलावा मुहर्रम-ताजिया जुलूस, शोभायात्रा और विसर्जन इत्यादि जैसे आस्था के प्रतीक स्वरूप त्यौहार और मेला लगते हैं।

इस साल कोरोना महामारी से लोगों को बचाने और उन्हें स्वस्थ रखने के उद्देश्य से सभी धार्मिक कार्यक्रम और उत्सव पर प्रतिबंध लगा दिया हैद्य हांलाकि लोग अपने घरों में गणेशजी की प्रतिमा स्थापित कर सकते हैं, लेकिन प्रतिमा का विसर्जन भी लोगों को अपने घर में करना होगा।

जाडेजा ने आगामी त्यौहारों में कोरोना संक्रमण न फैले इस प्रकार ऐहतियात के साथ मनाने की नागरिकों से अपील की है।

अहमदाबाद के श्रेय अस्पताल दुर्घटना को लेकर प्रदीपसिंह ने कहा कि सरकार ने घटना की जांच के लिए समिति का गठन कर तीन दिन में रिपोर्ट मांगी है।

पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और कोई भी दोषी का बख्शा नहीं जाएगा। जाडेजा ने कहा कि गुजरात सरकार की ओर से कोरोना के खिलाफ तत्काल उठाए गए कदमों के कारण राज्य में संक्रमण का प्रमाण घटाने में सफलता मिली है। उसमें भी व्यापक जन सहयोग मिला है और आगामी समय में जन सहयोग मिलता रहा तो कोरोना पर काबू पाने में सफलता मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)